

भगवान भुवन भास्कर का सत्व प्रकाश चहुंओर फैले
और समृद्धि से सब आल्हादित हों...

समस्त प्रदेशवासियों एवं व्रतियों को सूर्य षष्ठी (15 नवम्बर) की हार्दिक शुभकामनाएं...

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार



अनुकम्पय मा भक्त्या
गृहणार्घ्यं दिवाकरः।।

कोरबा, शुक्रवार दिनांक 13 से 19 नवम्बर 2026

भगवान भुवन भास्कर की स्वर्ण आभा पूरे जिलेवासियों के जीवन को समृद्ध और खुशहाल बनाए...

स्वास्थ्य एवं समृद्धि की जागृत देवी छठी मईया को बारंबार प्रणाम





आपकी मुस्कान बिखरेंगी जब
पहनेंगी कनक मंदिर ज्वेलर्स के
मनभावन आभूषण

कनक मंदिर ज्वेलर्स

परिवार की ओर से सभी व्रतियों का

अभिनंदन... वंदन...



कनक मंदिर ज्वेलर्स का
भव्य डबल डेकर शोरूम



स्वर्ण धन... सुरक्षित धन

कनक मंदिर ज्वेलर्स

पॉवर हाऊस रोड कोरबा, मो. 93294-16638

बालको प्रयोगशाला को बीआईएस मान्यता, गुणवत्ता उत्कृष्टता की दिशा में बड़ी उपलब्धि

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता एल्युमिनियम मेटल लिमिटेड की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की लेबोरेटरी रिकग्निशन स्कीम (एलआरएस) के तहत अपनी प्रयोगशाला के लिए मान्यता प्राप्त हुई है। यह मान्यता प्रयोगशाला की तकनीकी दक्षता और राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप गुणवत्ता मूल्यांकन एवं परीक्षण करने की क्षमता को प्रमाणित करती है।

बालको की प्रयोगशाला को आठ भारतीय मानकों (आईएस) के तहत यह मान्यता प्रदान की गई है। इसके साथ ही बालको भारतीय एल्युमिनियम उद्योग की उन अग्रणी कंपनियों में शामिल हो गया है, जिन्हें अपनी प्रयोगशाला के लिए इस प्रकार की मान्यता प्राप्त हुई है। यह उपलब्धि कंपनी की गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली और परीक्षण क्षमताओं को और सुदृढ़ करेगी। इससे विनिर्माण प्रक्रियाओं के साथ-साथ एल्युमिनियम उद्योग से जुड़े बाहरी हितधारकों को भी लाभ मिलेगा।



इस मान्यता के साथ बालको की प्रयोगशाला विभिन्न प्रकार के एल्युमिनियम उत्पादों का गुणवत्ता मूल्यांकन और परीक्षण करने में सक्षम होगी। यह उपलब्धि कंपनी की प्रचालन उत्कृष्टता, उत्पादों की विश्वसनीयता और निरंतर नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

प्रयोगशाला को मिली इस मान्यता के अतिरिक्त, बालको ने आठ प्रमुख उत्पाद श्रेणियों के लिए बीआईएस का पुन:प्रमाणीकरण भी प्राप्त किया है। इनमें ईसी इंगट्स, अलॉय इंगट्स, प्राइमरी इंगट्स, वायर रॉड्स, एल्युमिनियम अलॉय रॉड्स, रोल्ड शीट्स, रोल्ड कंडक्टर प्लेट्स और सामान्य इंजीनियरिंग उपयोग के लिए रोल्ड प्लेट्स शामिल हैं। ये प्रमाणन विभिन्न औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने वाले बालको के गुणवत्ता-प्रमाणित उत्पादों की श्रृंखला को और मजबूत करते हैं।

बालको देश के अग्रणी एल्युमिनियम उत्पादकों में शामिल है और विद्युतीकरण, परिवहन, ऑटोमोबाइल, निर्माण, इंजीनियरिंग, पैकेजिंग तथा नवीकरणीय उर्जा जैसे उभरते क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करता है। बीआईएस प्रमाणन गुणवत्ता, सुरक्षा और विश्वसनीयता का महत्वपूर्ण मानक है, जो उत्पादों की प्रमाणिकता और ग्राहकों के विश्वास को बढ़ाता है। कंपनी ग्राहकों का विश्वास मजबूत करने और वैश्विक गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रतिष्ठित प्रमाणन एवं मान्यताएं प्राप्त करने की दिशा में प्रयासरत है।

बीआईएस मान्यता के अलावा, बालको गुणवत्ता, पर्यावरण, ऊर्जा प्रबंधन और व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के क्षेत्र में कई अंतरराष्ट्रीय मानकों का भी अनुपालन करता है। इनमें प्राथमिक एल्युमिनियम और मिश्र धातुओं के उत्पादन एवं आपूर्ति के लिए गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली का आईएसओ 9001:2015, ऑटोमोबाइल क्षेत्र में उपयोग होने वाले उत्पादों के लिए आईएटीएफ 16949:2016, परीक्षण प्रयोगशालाओं की तकनीकी दक्षता के लिए आईएसओ/आईईसी 17025:2017 (एनएबीएल एक्रीडिटेशन), पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली के लिए आईएसओ 14001:2015, ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली के लिए आईएसओ 50001:2018 तथा व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली के लिए आईएसओ 45001:2018 प्रमुख हैं।

गुणवत्ता संबंधी बुनियादी ढांचे, उन्नत परीक्षण सुविधाओं और प्रक्रियागत उत्कृष्टता में निरंतर निवेश के माध्यम से बालको ग्राहकों की बदलती जरूरतों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाले एल्युमिनियम समाधान उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही कंपनी भारत के विनिर्माण और औद्योगिक विकास को गति देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

हमारी प्रयोगशाला को बीआईएस की मान्यता मिलना विश्वस्तरीय क्षमताओं के विकास और उत्पाद उत्कृष्टता एवं ग्राहक विश्वास के प्रति बालको की प्रतिबद्धता का प्रमाण है



बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक राजेश सिंह ने कहा, भारत जब वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब गुणवत्ता, विश्वसनीयता और नवाचार इसकी प्रमुख पहचान होंगे। हमारी प्रयोगशाला को बीआईएस की मान्यता मिलना विश्वस्तरीय क्षमताओं के विकास और उत्पाद उत्कृष्टता एवं ग्राहक विश्वास के प्रति बालको की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। अपनी गुणवत्ता प्रणाली को लगातार सशक्त बनाकर हम एक मजबूत और सक्षम एल्युमिनियम उद्योग के विकास में योगदान दे रहे हैं, जो भारत के औद्योगिक विकास और ऊर्जा परिवर्तन के लक्ष्यों को समर्थन प्रदान करेगा।



हुनर से सजे त्योहार आत्मनिर्भरता की नई पहचान

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

इस दिवाली, अपने घरों को रोशन करने के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण की नई रोशनी भी जगाएं। जागृति स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार सजावटी दीये, दिवाली सजावट, सलोनी, नमकीन खाजा और छत्तीसगढ़ के पारंपरिक उत्पाद अब ब्लैकमेज़, सेक्टर-1, बालकोनगर में उपलब्ध हैं। बालको सीएसआर के सहयोग से जागृति स्व सहायता समूह की महिलाएं अपने हुनर और मेहनत से आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रही हैं। साडा कॉलोनी की भारती साहू वर्ष 2020 से इस समूह से जुड़ी हैं। बालको सीएसआर के सहयोग ने उन्हें घर की दहलीज से बाहर निकलकर अपने हुनर को पहचानने और उसे आजीविका का माध्यम बनाने का अवसर दिया।

आज भारती और उनके समूह की लगभग 35-36 महिलाएं मिलकर विभिन्न उत्पाद तैयार कर रही हैं। इन उत्पादों में स्थानीय परंपरा, महिलाओं की रचनात्मकता और उनकी मेहनत की झलक दिखाई देती है। इस दिवाली, समूह के उत्पादों को खरीदना केवल त्योहार की खरीदारी नहीं, बल्कि स्थानीय महिला उद्यमियों के हुनर को प्रोत्साहित करने और उनके आत्मनिर्भर बनने के सफर में सहभागी बनने का अवसर है। इस दिवाली, खरीदें स्थानीय हुनर, बढ़ाएं महिला सशक्तिकरण।





रातखार में बालको बनाएगा आधुनिक सामुदायिक भवन

17 हजार से अधिक लोगों को मिलेगा लाभ

सामाजिक-सांस्कृतिक आयोजनों के साथ मिलेंगी ओपन जिम सहित कई सुविधाएं



बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

रातखार में सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) द्वारा नए सामुदायिक भवन का निर्माण कराया जाएगा। प्रस्तावित भवन से रातखार और आसपास के क्षेत्रों के 17 हजार से अधिक लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है। आयोजित समारोह में छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने भवन का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर कोरबा नगर निगम की महापौर संजू देवी राजपूत, बालको के हेड कॉरपोरेट अफेयर्स एवं एडमिनिस्ट्रेशन कैप्टन धनंजय मिश्रा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, कंपनी के अधिकारी और क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे।

अतिथियों ने प्रस्तावित भवन की योजना का अवलोकन किया और सामुदायिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में बालको की पहल की सराहना की। भवन का उपयोग सामाजिक, सांस्कृतिक और सामुदायिक आयोजनों के लिए किया जाएगा। इससे स्थानीय परिवारों और विभिन्न सामुदायिक समूहों को कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक सुविधाजनक स्थान उपलब्ध हो सकेगा।

प्रस्तावित सामुदायिक भवन में अलग-अलग शौचालय, रसोईघर, स्टोर रूम और ओपन जिम जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। भवन के तैयार होने पर स्थानीय लोग यहां उत्सव, समारोह, सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य सामुदायिक गतिविधियां आयोजित कर सकेंगे।

बालको के अनुसार, पिछले चार वर्षों में कंपनी ने 45 समुदायों में सामुदायिक भवन, बच्चों के पार्क और सामुदायिक शौचालय सहित 100 से अधिक सामुदायिक परिसंपत्तियों का निर्माण कराया है। कंपनी का कहना है कि सामाजिक आधारभूत संरचना में निवेश के जरिए लोगों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने और क्षेत्र के दीर्घकालिक विकास को प्रोत्साहित करने का प्रयास जारी रहेगा।

बालको औद्योगिक विकास के साथ-साथ सामुदायिक कल्याण और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार में भी दे रहा योगदान

मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि बालको औद्योगिक विकास के साथ-साथ सामुदायिक कल्याण और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार में भी योगदान दे रहा है। महिला सशक्तिकरण, सामुदायिक विकास और सार्वजनिक सुविधाओं के क्षेत्र में कंपनी की पहल सराहनीय है। रातखार में बनने वाला सामुदायिक भवन स्थानीय निवासियों की आवश्यकता को पूरा करने के साथ आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए भी उपयोगी साबित होगा।

कंपनी का सामुदायिक विकास साझा भविष्य का निवेश-सीईओ

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक राजेश सिंह ने कहा कि कंपनी सामुदायिक विकास को अपनी जिम्मेदारी के साथ साझा भविष्य में निवेश के रूप में देखती है। पिछले चार वर्षों में बालको ने 45 समुदायों में 100 से अधिक सामुदायिक परिसंपत्तियों का निर्माण किया है। कंपनी का प्रयास है कि सशक्तिकरण, समावेशन और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के माध्यम से क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान दिया जाए।



बालको की प्रदर्शनी पैवेलियन को मिला पुरस्कार

पैवेलियन में औद्योगिक संचालन में महिला नेतृत्व, तकनीकी नवाचार और सामुदायिक विकास की झलक

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) को छत्तीसगढ़ राज्योत्सव-2026 में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के उपक्रम श्रेणी के अंतर्गत अपने प्रदर्शनी पैवेलियन के लिए तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने यह पुरस्कार बालको की संवाद प्रमुख सुश्री शुभ्रा आर. तथा जनसंपर्क अधिकारी विजय बाजपेयी को प्रदान किया। यह सम्मान बालको की औद्योगिक क्षमताओं, महिला नेतृत्व वाले संचालन, तकनीकी नवाचारों और सामुदायिक विकास पहलों की प्रभावशाली प्रस्तुति के लिए दिया गया। छत्तीसगढ़ के स्थापना दिवस के अवसर पर 1 से 3 नवंबर तक नवा रायपुर अटल नगर स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग एवं व्यापार परिसर में तीन दिवसीय राज्योत्सव का आयोजन किया गया।

बालको के पैवेलियन की परिकल्पना 'महिला शक्ति से विकसित भारत की नई उड़ान' थीम पर आधारित थी, जिसमें भारत की औद्योगिक और सामाजिक-आर्थिक प्रगति को आकार देने में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया गया। राज्योत्सव-2026 की व्यापक थीम 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' के अनुरूप प्रदर्शनी में औद्योगिक संचालन, तकनीक और सामुदायिक विकास के क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को प्रमुखता दी गई। इसमें बालको के उन प्रयासों को दर्शाया गया, जिनके माध्यम से महिलाओं को एक प्रगतिशील और भविष्य के लिए तैयार औद्योगिक परिवेश में योगदान देने के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। यह विकसित भारत की यात्रा में महिलाओं की सशक्त भूमिका को भी प्रतिबिंबित करता है। प्रदर्शनी में बालको की विनिर्माण क्षमताओं और भारत के एल्युमिनियम उद्योग को सशक्त बनाने में कंपनी के योगदान को भी प्रस्तुत किया गया। पैवेलियन का प्रमुख आकर्षण भारत के पहले और सबसे बड़े 525 किलो-एम्पीयर एल्युमिनियम स्मेल्टर की प्रस्तुति रही, जो तकनीकी नवाचार, उत्पादन उत्कृष्टता और भविष्य के लिए तैयार विनिर्माण क्षमताओं के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। आगंतुकों को एल्युमिनियम की संपूर्ण उत्पादन प्रक्रिया और मूल्य श्रृंखला के साथ-साथ बुनियादी ढांचे के विकास, राष्ट्र निर्माण और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण में इस धातु के महत्व की जानकारी भी दी गई।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक राजेश सिंह ने कहा, 'छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में प्राप्त यह सम्मान बालको टीम के सामूहिक प्रयासों और उत्कृष्टता के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता का प्रमाण है। अपने पैवेलियन के माध्यम से हमने प्रदर्शित किया है कि औद्योगिक प्रगति और सामाजिक विकास एक-दूसरे के पूरक हैं, जिनमें महिलाएं तेजी से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। प्रौद्योगिकी और नवाचार के माध्यम से अपनी विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करते हुए हम अवसरों के सृजन, समुदाय के सशक्तिकरण और छत्तीसगढ़ के विकास के साथ-साथ राष्ट्र की प्रगति में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सामुदायिक विकास को आगे बढ़ाने में बालको की भूमिका को रेखांकित करते हुए, बालको के हेड कॉरपोरेट अफेयर्स एवं एडमिनिस्ट्रेशन कैप्टन धनंजय मिश्रा ने कहा, 'सतत प्रगति लोगों को सशक्त बनाने और समुदाय को मजबूत करने से संभव होती है। कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण, सतत कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर प्रयासों के माध्यम से हम ऐसे अवसरों का सृजन कर रहे हैं, जो दीर्घकालिक सकारात्मक प्रभाव सुनिश्चित करने और लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में सहायक हैं। औद्योगिक उपलब्धियों के साथ बालको ने शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, युवा कौशल विकास और आजीविका संवर्धन के क्षेत्रों में अपनी सामुदायिक विकास पहलों को भी प्रदर्शित किया। इन प्रयासों के माध्यम से कंपनी ने 128 गांवों में सकारात्मक बदलाव लाने और 1.8 लाख से अधिक लोगों तक पहुंच बनाने में योगदान दिया है।

तीन दिवसीय राज्योत्सव के दौरान बालको के पैवेलियन में प्रदेशभर से आए नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और शासन के अधिकारियों ने अवलोकन किया। यह सम्मान औद्योगिक उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने के साथ-साथ समावेशी और सतत विकास में योगदान देने तथा विकसित भारत की यात्रा को सशक्त बनाने के प्रति बालको की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

बालको में दीपावली की खुशियां, हर्बल रंगोली से सजे आंगन











सूर्य उपासना का पवित्र पर्व सूर्य षष्ठी (15 नवम्बर) की हार्दिक शुभकामनाएं...

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार



वर्ष -17, अंक - 32 | कोरबा, शुक्रवार दिनांक 13 से 19 नवम्बर 2026 | पृष्ठ - 08, मूल्य -3/-



सूर्यवंशी बने दुनिया के सबसे युवा टी-20 कप्तान

इंदौर, एजेंसी।

भारत के घरेलू टी-20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का नया सीजन शनिवार 14 नवम्बर से शुरू हो गया। शनिवार को 19 मैच हो रहे हैं। वैभव सूर्यवंशी ने टी-20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे युवा कप्तान होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। वहीं, भारतीय टीम से बाहर चल रहे पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सिर्फ 15 बॉल पर हाफ सेंचुरी जमा दी है। इंदौर के होल्कर स्टेडियम में बिहार और सौराष्ट्र के बीच मैच खेला गया। वैभव 15 साल 232 दिन की उम्र में बिहार की कप्तानी कर रहे हैं। इसके साथ ही वे इस फॉर्मेट में अब तक के सबसे युवा कप्तान बन गए। इससे पहले यह रिकॉर्ड क्रोएशिया के जैक वुकुसिक के नाम था। उन्होंने 7 अगस्त 2025 को साइप्रस के खिलाफ 17 साल 311 दिन की उम्र में अपनी टीम की कप्तानी की थी।

ट्रम्प-पुतिन-जिनपिंग की पहली बार एकसाथ मीटिंग

80 साल बाद 3 सुपर पावर्स की बातचीत होगी, ईरान जंग पर फैसला संभव



वाशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अगले हफ्ते चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ एक ही बैठक में शामिल होंगे। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। यह बैठक चीन के शेनझेन में होने वाले एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (APEC) सम्मेलन के दौरान होगी। बैठक में सबसे अहम मुद्दा परमाणु हथियारों की संख्या कम करना होगा। इसके अलावा ईरान पर भी चर्चा होगी। बीते 80 साल में यह पहली बार होगा जब टॉप-3 देशों नेता एक साथ त्रिपक्षीय बैठक करेंगे। इससे पहले फरवरी 1945 में अमेरिका, सोवियत संघ (रूस) और ब्रिटेन के नेता क्रीमिया के याल्टा में मिले थे। इन नेताओं ने बैठक में तय किया कि युद्ध खत्म होने के बाद यूरोप के देशों का बंटवारा और शासन कैसे होगा।

अमेरिका में 9/11 हमले के बाद दूसरी बार एयर इमरजेंसी

कम्युनिकेशन सिस्टम फेल होने से 8000 फ्लाइट्स कैंसिल, 4 घंटे तक ठप रहीं हवाई सेवाएं

न्यू जर्सी, एजेंसी

अमेरिका में एयर ट्रैफिक कंट्रोल के कम्युनिकेशन सिस्टम में खराबी के कारण शुक्रवार को 4 घंटे से ज्यादा समय तक विमानों की उड़ानें रोकनी पड़ीं। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन, यानी FAA ने सुरक्षा कारणों से देशभर के एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स रोकने का आदेश दिया था। इस दौरान 8,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं और करीब 15 लाख यात्री प्रभावित हुए। शुक्रवार रात उड़ानों पर लगी रोक हटा दी गई, लेकिन शनिवार को भी बड़ी संख्या में फ्लाइट्स कैंसिल करनी पड़ीं। 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमले (9/11) के बाद यह दूसरी बार है, जब अमेरिका में सभी उड़ानें रोकी गईं। इससे पहले जनवरी 2023 में FAA के मुख्य कंप्यूटर सिस्टम में खराबी के कारण ऐसा हुआ था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने देश के एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम को आधुनिक बनाने के लिए 30 अरब डॉलर की अतिरिक्त फंडिंग मांगी है।

जम्मू-कश्मीर और हिमाचल में बर्फबारी

चंडीगढ़-मनाली हाईवे पर ट्रैफिक जाम, यूपी-राजस्थान, उत्तराखंड में बारिश का अलर्ट, दिल्ली में AQI 414 पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी।

वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से देश के कई राज्यों में मौसम बदल गया है। उत्तर प्रदेश और राजस्थान में दो दिन बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में कई जगह बर्फबारी और बारिश हुई है। बर्फबारी के बाद बड़ी संख्या में टूरिस्ट मनाली पहुंच रहे हैं। इसके चलते चंडीगढ़-मनाली हाईवे पर ट्रैफिक जाम लग गया। उत्तराखंड के 7 जिलों में बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम में बदलाव के बीच दिल्ली-NCR में प्रदूषण से राहत नहीं मिली है। यहां हवा की गुणवत्ता लगातार गंभीर कैटेगरी में बनी हुई है। शनिवार सुबह दिल्ली के ITO इलाके में AQI 414 दर्ज किया गया। वहीं, गुरुग्राम में यह 324 रहा।



मेटा इंडिया चीफ बोले- हमने 50 लाख आपत्तिजनक कंटेंट हटाए:अपराधी तरीके बदल रहे, उन्हें ट्रैक करने की हमारी भी लिमिट तय है

मुंबई, एजेंसी।

वॉट्सएप पर बातचीत के साथ खरीदारी, बिल पेमेंट और सरकारी सेवाओं का इस्तेमाल बढ़ाना मेटा की भारत में अगली प्राथमिकता है। कंपनी के इंडिया हेड अरुण श्रीनिवास का कहना है कि एआई लोगों के रोजमर्रा के काम आसान करेगा और छोटे कारोबारियों को ग्राहकों तक पहुंचने में मदद देगा।

हालांकि उन्होंने यह भी बताया कि मेटा ने 50 लाख आपत्तिजनक कंटेंट हटाए हैं। लेकिन गलत काम करने वाले लगातार तरीके बदलते हैं। अब ये लोगों को बाहरी वेबसाइट या एप पर ले जाते हैं। वहां होने वाली गतिविधियों को देखने या ट्रैक करने की हमारी क्षमता सीमित है।

जयशंकर बोले-गलवान झड़प के बाद बॉर्डर पर सैन्य तैनाती बढ़ी:10 साल में सड़कें-टनल और एयरफील्ड बनाए, पहले बॉर्डर पर ध्यान नहीं दिया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को हिंदुस्तान टाइम्स से जुड़े कार्यक्रम में कहा कि 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़पों के बाद भारत ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर अपनी सैन्य ताकत बढ़ाई है। वहां लंबे समय तक बड़ी संख्या में सैनिकों को तैनात रखना जरूरी हो गया है। जयशंकर ने कहा कि सीमा पर इंफ्रास्ट्रक्चर को पहले नजरअंदाज किया गया था। लेकिन पिछले 10 साल में सीमा पर सड़कें, पुल, सुरंगें और हवाई पट्टियां बनाने का काम तेजी से हुआ है।

गलवान झड़प में 20 भारतीय जवान शहीद हुए थे

15 जून 2020 को चीन ने पूर्वी लद्दाख के सीमावर्ती इलाकों में सैन्य अभ्यास के नाम पर बड़ी संख्या में सैनिक जुटाने शुरू कर दिए थे। इसके बाद सीमा पर कई जगह तनाव बढ़ा और घुसपैठ की घटनाएं सामने आईं।

जवाब में भारत ने भी इन इलाकों में चीन के बराबर सैनिक तैनात कर दिए। दोनों देशों के बीच तनाव इतना बढ़ गया कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी तक हुई।

इसी दौरान गलवान घाटी में दोनों देशों के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हुई। इसमें भारत के 20 जवान शहीद हो गए। भारत ने भी जवाबी कार्रवाई की। चीन ने बाद में माना कि इस झड़प में उसके 4 सैनिक मारे गए थे।

चीन से मुकाबले के लिए भारत को अलग रास्ता अपनाना होगा

जयशंकर ने भारत और चीन के बीच आर्थिक अंतर पर भी बात की। उन्होंने कहा कि 1960, 1970 और 1980 के दशक में दुनिया के कई देश तेजी से उद्योग और कारोबार बढ़ा रहे थे। उस समय भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाओं का आकार लगभग बराबर था।

उन्होंने कहा कि 1980 के दशक में चीन ने अपने उद्योगों और अर्थव्यवस्था को आधुनिक बनाने पर तेजी से काम किया, लेकिन भारत इस मामले में पीछे रह गया। 1990 के दशक में भारत ने कुछ आर्थिक सुधार जरूर किए, लेकिन उन्हें लगातार आगे नहीं बढ़ाया गया।

जयशंकर ने कहा, कुछ दशक ऐसे रहे, जब हम पीछे रह गए। अब हमें इस अंतर को कम करना है। लेकिन इसके लिए उसी पुराने रास्ते पर चलने से काम नहीं चलेगा। हमें कुछ क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ना होगा और अपनी खास ताकत विकसित करनी होगी।

उन्होंने कहा कि भारत को चीन से हर क्षेत्र में सीधी बराबरी करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। इसके बजाय उन क्षेत्रों पर ध्यान देना चाहिए, जहां भारत अपनी ताकत के दम पर बड़ा बदलाव ला सकता है।

जयशंकर के मुताबिक, भारत सरकार अभी इसी रणनीति पर काम कर रही है। इसके तहत देश में सामान बनाने यानी मैन्युफैक्चरिंग और उद्योगों को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है।

पूर्व अमेरिकी मंत्री बोले- भारत अमेरिका के हिसाब से नहीं चलेगा

अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि, अमेरिका को यह उम्मीद नहीं करनी चाहिए कि भारत उसकी तरह ही सोचेगा या वही करेगा, जो अमेरिका चाहता है। मैं भारत की अपनी विदेश नीति और फैसले लेने की आजादी की बात को अच्छी तरह समझता हूं।

जयशंकर बोले- सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए ज्यादा बजट दिया

जयशंकर ने कहा कि करीब एक दशक पहले तक चीन से लगी सीमा पर सड़क और दूसरी जरूरी सुविधाओं के विकास पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया था। योजनाएं तो बनती थीं, लेकिन जमीन पर उस हिसाब से काम नहीं हो रहा था। उन्होंने कहा, अगर आप खुद जाकर देखें कि हर साल कितने किलोमीटर सड़क बनी, कितनी सुरंगें तैयार हुईं और सैनिकों की तैनाती के लिए क्या इंतजाम किए गए, तो सच्चाई समझ आ जाएगी। जयशंकर के मुताबिक, पिछले 10 साल में सीमा पर इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए ज्यादा बजट दिया गया और काम में तेजी लाई गई। इससे जरूरत पड़ने पर बड़ी संख्या में सैनिकों को सीमा पर पहुंचाना और लंबे समय तक तैनात रखना आसान हुआ है।



ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार भारत आएंगे पाकिस्तानी मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी।

पाकिस्तान के जलवायु मंत्री मुसादिक मसूद मलिक अगले सप्ताह भारत आएंगे। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के मुताबिक मलिक 20 से 22 नवंबर तक नई दिल्ली में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के एक कार्यक्रम में शामिल होंगे। भारत ने पाकिस्तान को SCO का सदस्य होने के नाते कार्यक्रम में शामिल होने का न्योता दिया था। इसके लिए पिछले महीने पाकिस्तान के राष्ट्रीय विरासत और संस्कृति मंत्री औरंगजेब खान खिची को आमंत्रित किया गया था। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार होगा जब पाकिस्तानी मंत्री भारत आएंगे। इससे पहले मई 2023 में पाकिस्तान के तत्कालीन विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी SCO की बैठक में शामिल होने गोवा आए थे।

19 लोगों की जान लेने वाले कबरा हाथी की दहशत:नर हाथी से रातभर लड़ाई, उसे खदेड़कर झुंड में घुसा, पकड़ना मुश्किल, 17 स्कूलों में छुट्टी

सरगुजा, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर और सरगुजा में दहशत फैलाने वाले कबरा हाथी को पकड़ने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। वन विभाग की टीम शनिवार को दूसरे दिन भी उसकी तलाश कर रही है। शुक्रवार को उसे पकड़ने की कोशिश नाकाम रही। इसी हाथी ने पिछले 6 महीने में 19 लोगों की जान ले ली है। नवंबर महीने में ही हाथी के हमले में 9 लोगों की मौत हुई है। वन विभाग के मुताबिक, रात में कबरा हाथी सायर के जंगल में 17 हाथियों के दल में शामिल हो गया था। दल के एक नर हाथी से उसकी पूरी रात लड़ाई हुई। उसने उस नर हाथी को बाहर कर दिया और खुद दल में शामिल हो गया।

इससे उसे पकड़ना और मुश्किल हो गया है। हाथी के चलते आगे कोई अनहोनी न हो, इसलिए शिक्षा विभाग ने आसपास के 17 स्कूलों में आज के लिए छुट्टी घोषित कर दी है।

नर हाथी को बाहर कर दल में शामिल हुआ कबरा

वन विभाग के मुताबिक, शुक्रवार रात सायर के जंगल में कबरा हाथी का 17 हाथियों के दल के एक हाथी से संघर्ष हुआ। देर रात तक दोनों के बीच लड़ाई चलती रही।

इसके बाद कबरा हाथी ने नर को दल से बाहर कर खुद उसकी जगह ले ली। शनिवार तड़के हाथियों का दल कुसुवामुड़ा जंगल पहुंच गया।

दो कुमकी हाथियों के साथ टीम चला रही ऑपरेशन

कबरा हाथी के लगातार हमलों को देखते हुए उसे पकड़कर रेस्क्यू सेंटर भेजने की अनुमति दी गई है। शुक्रवार को वन विभाग की टीम दो कुमकी हाथियों के साथ उदयपुर पहुंची थी, लेकिन कबरा हाथी सायर के जंगल से बाहर नहीं आया। इस वजह से उसे पकड़ा नहीं जा सका। शनिवार को टीम कुसुवामुड़ा जंगल पहुंची और कुमकी हाथियों को जंगल में भेजा गया। कबरा हाथी दिखाई देने पर उसे ट्रैंकुलाइज करने की योजना है। उसे बेहोश करने के लिए बिलासपुर से वन्यजीव विशेषज्ञ डॉ. पीके चंदन और डॉ. जयकिशोर जड़िया की टीम भी मौके पर मौजूद है।

दो महिलाओं की मौत के बाद रेस्क्यू सेंटर भेजने का फैसला

पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ ने पहले कबरा हाथी को रेडियो कॉलर लगाने की अनुमति दी थी। लेकिन बुधवार और गुरुवार को प्रेमनगर और उदयपुर क्षेत्र में हाथी ने दो महिलाओं को कुचलकर मार डाला और एक महिला को घायल कर दिया। इसके बाद उसे पकड़कर रेस्क्यू सेंटर भेजने का निर्णय लिया गया।

17 स्कूलों में छुट्टी, ड्रोन से निगरानी

हाथियों के दल के कुसुवामुड़ा जंगल में मौजूद होने के कारण शिक्षा विभाग ने आसपास के 17 स्कूलों में छुट्टी कर दी है। इनमें सायर, कुदर बसवार, सत्तीमुड़ा, कुमडेवा और सुखरीभंडार के स्कूल शामिल हैं।

वन विभाग की टीम ड्रोन से हाथियों की लगातार निगरानी कर रही है। पूरे इलाके में अलर्ट जारी कर घेराबंदी की गई है, जिससे हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके और ग्रामीणों को सुरक्षित रखा जा सके।

सौरभ के इनपुट पर 33 ठिकानों पर सीबीआई रेड

6 राज्यों में छापे, लाइव सट्टा पैनल मिले, किराए के खातों से विदेश भेजते थे रकम

रायपुर, एजेंसी।

महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामले में सीबीआई ने पिछले दिनों 6 राज्यों में 33 ठिकानों पर छापेमारी कर सट्टा पैनल चलाने वाले ऑपरेटरों के नेटवर्क का पता लगाया। छापेमारी के दौरान कई जगह लाइव सट्टा और जुए के पैनल चलते मिले। सीबीआई ने इन्हें मौके पर ही बंद कराया। कार्रवाई के दौरान मोबाइल फोन, डिजिटल डिवाइस और कई दस्तावेज जब्त किए गए। इनसे पता चला कि दूसरे लोगों के नाम पर बैंक खाते खुलवाकर सट्टे की रकम जमा की जाती थी। इसके बाद हवाला के जरिए पैसा विदेश भेजा जाता था। सीबीआई के मुताबिक, यह कार्रवाई महादेव सट्टा ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर से पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर की गई। उसे 1 नवंबर 2026 को ओमान से भारत लाया गया था। इसके बाद सीबीआई ने उसे गिरफ्तार कर रायपुर की विशेष अदालत से 8 दिन की पुलिस रिमांड ली थी। पूछताछ में ऐप चलाने के तरीके और देशभर में फैले पैनल ऑपरेटरों के नेटवर्क की जानकारी मिली।

यहां 'प्रत्यर्पित' की जगह 'ओमान से भारत लाया गया' सरल और आम बोलचाल का विकल्प है।

इन शहरों में हुई छापेमारी

सीबीआई ने जिन शहरों में कार्रवाई की, उनमें छत्तीसगढ़ के रायपुर और दुर्ग के अलावा अमृतसर, दिल्ली, नागौर, धौलपुर, भोपाल, इंदौर, अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, मुंबई और नागपुर शामिल हैं।

दूसरे लोगों के बैंक खातों में जमा होती थी सट्टे की रकम

जांच में सामने आया है कि महादेव ऐप का संचालन विदेश में बैठे लोगों के जरिए किया जाता था। इसका हेड ऑफिस विदेश में है और भारत में बड़े नेटवर्क के जरिए पैनल ऑपरेट किए जाते हैं। पैनल ऑपरेटर ग्राहकों की आईडी बनाते थे और उनसे सट्टे की रकम वसूलते थे। इस रकम को ऐसे बैंक खातों में जमा किया जाता था, जो दूसरे लोगों के नाम पर खुलवाए गए थे या किराए पर लिए गए थे। इसके बाद मुनाफे की रकम हवाला नेटवर्क के जरिए विदेश भेजी जाती थी।

सौरभ चंद्राकर 19 नवंबर तक जेल में

सीबीआई की 8 दिन की पुलिस रिमांड खत्म होने के बाद सौरभ चंद्राकर को 12 नवंबर 2026 को रायपुर की विशेष सीबीआई अदालत में पेश किया गया। कोर्ट ने उसे 19 नवंबर तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया था।

लेकिन शुक्रवार को ED ने उसे अरेस्ट कर 7 दिनों की कस्टोडियल रिमांड पर लिया है। सीबीआई ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने महादेव ऑनलाइन बुक मामले की जांच एजेंसी को सौंपी थी। इसके बाद दो एफआईआर दर्ज की गई थीं।अब जांच में विदेश में बैठे अन्य आरोपियों, सट्टा नेटवर्क चलाने में मदद करने वालों और संबंधित सरकारी कर्मचारियों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है। फरार आरोपियों को भारत लाने के लिए दूसरे देशों से कानूनी प्रक्रिया भी जारी है। एजेंसी ने लोगों को चेताया है कि ऑनलाइन सट्टा और जुआ गैरकानूनी हैं। किसी दूसरे व्यक्ति को सट्टेबाजी के लिए अपना बैंक खाता, सिम कार्ड या पहचान से जुड़े दस्तावेज देना भी अपराध है।





सरोकार

प्रकृति पूजा भी सिखाती है छठ पूजा

भारतवर्ष व्रत और त्यौहारों का देश है। छठ पूजा को हम सिर्फ बिहार, उत्तरप्रदेश और पूर्वांचल का ही पर्व मानते आ रहे थे, लेकिन छठ पर्व आज दुनिया का सबसे बड़ा पर्यावरण पर्व बन गया है। छठ पूजा ही एक ऐसा पर्व है, जहां हम इस पर्व को किसी मंदिर में नहीं, बल्कि प्रकृति के बीच में मनाते हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए देश-दुनिया में न जाने कितने सेमिनार हो रहे हैं, इसी दौर में हम छठ पूजा के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी देते हैं। नदी के किनारे, खुले आसमान पर छठी मैय्या की पूजा करते हैं। छठ पूजा से हम नदी की सफाई, छठ घाट की सफाई हमें यह संदेश देती है कि पर्यावरण को शुद्ध रखें और प्रकृति का संरक्षण करें। छठ पूजा में भगवान भुवन भास्कर को अर्घ्य देते हैं और मंगलकामना करते हैं कि सभी के परिवार को सुख समृद्धि और वैभव प्रदान करना! हर घर खुशियों से आबाद रहे और यह तभी संभव है जब हम प्रकृति को संवारें, उसका संरक्षण करें। जल, वायु, अग्नि, मिट्टी, जीवन के आधार हैं और इनके संरक्षण से ही प्रकृति का अस्तित्व है और मानव जीवन तब तक ही आबाद है। भगवान भुवन भास्कर पूरी दुनिया के एक मात्र जीवंत देवता हैं, जो हमें रोज ही दर्शन देते हैं। अर्घ्य देकर हम समस्त जीवों का मंगलकामना करते हैं क्योंकि प्रकृति में जल, वायु, अग्नि, मिट्टी और वन समाहित हैं, जिसमें मानव जीवन के साथ-साथ वन्यजीव, जलजीव और वायुजीव भी रहते हैं। प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन से ही इन सबका जीवन सुरक्षित है। छठ पर्व के माध्यम से हम प्रकृति पूजा भी करते हैं और संतान प्राप्ति के लिए आशीर्वाद मांगने के साथ प्रकृति संरक्षण के लिए भी संकल्प लेते हैं। सूर्य षष्ठी की पूजा में यह भी संदेश छुपा होता है कि हम माँ भारती के लिए कुछ करें। नदियों को पवित्र रखें, बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग से धरती और आसमान को बचाएं।

-संपादक

समय प्रबंधन से मिलेगी सफलता



एआई जनरेटेड

समय किसी का इंतजार नहीं करता। अगर आज तुमने समय को बर्बाद किया, तो सफलता कभी हाथ नहीं लगेगी। पैसे से सब कुछ खरीदा जा सकता है, लेकिन समय को नहीं। समय का महत्व आज नहीं समझोगे, तो समय तुम्हें कभी महत्व नहीं देगा और समय तुम्हें बर्बाद कर देगा। इसलिए समय प्रबंधन करना सीखें और समय पर हर काम करें। कोई भी काम कल के लिए न टालें। इसलिए आज ही संकल्प लो और हर पल का सदुपयोग करो। विद्यार्थी भी समय पर पढ़ेंगे, समय पर खेलेंगे और समय पर सोएंगे, तभी जीवन में अनुशासन आएगा और सफलता मिलेगी।

दुनिया में जिसने भी समय प्रबंधन करना सीख लिया, वे सफल हो गए और इतिहास के पन्नों पर अपना नाम दर्ज कर लिया। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, सचिन तेन्दुलकर, कल्पना चावला, महात्मा गांधी सहित कई ऐसे नाम हैं, जिन्होंने समय को कभी जाया नहीं किया और एक-एक पल का हिसाब रख कर जीवन जिया और इतिहास के पन्नों पर अपना नाम दर्ज करा लिया और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा बन गए।

प्रकृति ने सभी को दिन में 24 घंटे ही दिए हैं। अमीर हो चाहे गरीब, विद्यार्थी हो या मजदूर, सभी के पास समय बराबर है। फिर कोई सफल हो जाता है और कोई पीछे रह जाता है। फर्क सिर्फ एक ही है-समय का प्रबंधन।

जो व्यक्ति समय को संभाल लेता है, समय उसे सफलता दिला देता है।

समय सबसे बड़ी पूंजी

पैसा खर्च हो जाए तो दोबारा कमाया जा सकता है, पर समय कभी वापस नहीं आता। इसलिए कहा गया है-काल करै सो आज कर... आज करै सो अब। टालने की आदत छोड़ें और समय पर सभी काम निपटाएं, सफलता अवश्य मिलेगी।

समय प्रबंधन क्यों जरूरी ?

लक्ष्य साफ रखो

पहले तय करो कि तुम्हें क्या करना है? क्या बनना है? बिना लक्ष्य के समय बर्बाद होता है, इसलिए लक्ष्य तय करो... अनुशासित जीवन जीने की कला सीखो, कड़ी मेहनत करो... लक्ष्य अवश्य मिलेगा।

टाईम टेबल अवश्य बनाएं

सुबह उठने से लेकर सोने तक का एक सरल टाईम टेबल बनाओ। विद्यार्थी पढ़ाई, खेल, भोजन और आराम- सबको समय दो। टाईम टेबल सिर्फ दीवार पर टांगने के लिए नहीं, मानने के लिए होता है। टाईम टेबल के हिसाब से दिनचर्या बिताएं, समय पर काम होगा और कल के लिए बोझ नहीं होगा।

कठिन काम पहले

विद्यार्थी के लिए यह टिप्स है। जो विषय कठिन लगे, उसे सुबह ताजे दिमाग से पढ़ो। आसान काम बाद में।

आज विद्यार्थी दिन का अधिकांश समय स्क्रिन पर बिताते हैं और आगे बढ़ने के समय का महत्वपूर्ण क्षण यूं ही बर्बाद कर देते हैं। ऐसे विद्यार्थी आज से ही सावधान हो जाएं और स्क्रिन पर तभी जाएं, जब एकदम जरूरी हो। स्क्रिन पर एक घंटा बर्बाद करना यानी एक साल पीछे हो जाना है।

ना कहना सीखो

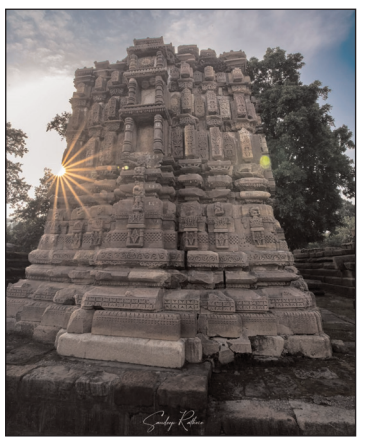
हर काम जरूरी नहीं होता। ऐसे दोस्तों को ना करना सीखें, जो फालतू गप-शप, बेवजह घूमने के लिए आपका समय बर्बाद करते हैं। ऐसे दोस्तों को ना कहें और अपना अमूल्य समय बचाएं।

समय का प्रबंधन करें और जीवन में जो लक्ष्य आपने बनाया है, उसे पूरा करने के लिए जी जान से जूट जाएं और संगति ऐसी हो, जो आपको आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करे। अपने आपको इतना व्यस्त बना लो, कि सपने में भी आपको लक्ष्य दिखे और सपने में भी आप लक्ष्य प्राप्ति के लिए मार्ग ढूंढ़ें।



इतिहास के पन्नों में छिपी एक विरासत

तुमान का महादेव मंदिर



कोरबा जिले की कटघोरा तहसील का तुमान गांव, जहां स्थित है ऐतिहासिक महादेव मंदिर।

मंदिर परिसर में लगे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के शिलालेख में उद्घृत जानकारियों से इस जगह का इतिहास जानने को मिलता है। यह ऐतिहासिक मंदिर अपने आप में इतिहास को छुपाए हुए नई पीढ़ी के लिए एक विरासत है।

शिलालेख में उद्घृत इतिहास के अनुसार, लगभग 900 ईस्वी के आसपास तुमान कल्चुरी शासकों के अधीन दक्षिण कोसल की एक महत्वपूर्ण राजधानी हुआ करता था। कल्चुरी शासक रत्नदेव प्रथम ने यहां अनेक मंदिरों का निर्माण करवाया था।

तुमान वह ऐतिहासिक जगह है, जहां कभी दक्षिण कोसल की राजनीतिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण केंद्र हुआ करता था।

बलुआ पत्थरों से निर्मित यह पश्चिमाभिमुख मंदिर अपनी स्थापत्य कला के लिए खास है। मंदिर के गर्भगृह, मंडप, द्वार पर बनी गंगा-यमुना की आकृतियां और विभिन्न देवी-देवताओं की प्रतिमाएं उस दौर की उत्कृष्ट और समृद्ध शिल्पकला को दर्शाती हैं। इस विरासत को संजोने के साथ विस्तारित और प्रचारित करने की आवश्यकता है।

यहां शिव, विष्णु, ब्रह्मा, गणेश, सूर्य, गजलक्ष्मी और चामुंडा सहित कई देवी-देवताओं की मूर्तियों के अवशेष मिले हैं।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा वर्ष 2008-09 और 2009-10 में यहां वैज्ञानिक उत्खनन भी किया गया था, जिसमें लगभग 20 मंदिरों के अवशेष प्राप्त हुए।

जरा सोचिए, एक छोटे से गांव की जमीन अपने भीतर कितने सदियों का इतिहास समेटे हुए है!

समृद्ध इतिहास और पुरातात्विक महत्व के बावजूद इस जगह को अभी वह पहचान नहीं मिल पाई है, जिसकी यह हकदार है। मंदिर परिसर में कई जगह पेड़-पौधे और झाड़ियां उग आई हैं। कई प्राचीन शिल्प और मूर्तियों के अवशेष खुले में रखे हुए हैं। इनके बेहतर संरक्षण और परिसर के रखरखाव की जरूरत साफ दिखाई देती है। अगर इस जगह को व्यवस्थित तरीके से विकसित किया जाए, उचित संरक्षण मिले और पर्यटन की दृष्टि से इसका प्रचार-प्रसार हो, तो तुमान एक बड़ा ऐतिहासिक पर्यटन केंद्र बन सकता है।

इससे न सिर्फ छत्तीसगढ़ के इतिहास को पहचान मिलेगी, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो सकते हैं।

हमारे छत्तीसगढ़ में ऐसी कई ऐतिहासिक धरोहरें हैं, जो आज भी लोगों की नजरों से दूर हैं। जरूरत है, तो बस इन्हें पहचानने, संवारने और इनके इतिहास को लोगों तक पहुंचाने की।

तुमान का महादेव मंदिर भी ऐसी ही एक अनमोल धरोहर है।

कभी इस रास्ते से गुजरें तो कुछ समय निकालकर यहां जरूर रुकिएगा। हो सकता है इस छोटे से गांव में आपको छत्तीसगढ़ के इतिहास का एक ऐसा अध्याय देखने को मिले, जिसके बारे में आपने पहले कभी सुना ही न हो।

कोरबा जिले के तुमान का ऐतिहासिक धरोहर के रूप में स्थापित महादेव मंदिर आज भी अपने अस्तित्व के लिए जोह रहा बाट



छठ महापर्व
आस्था का अनुपम उजास

4 दिनी पावन पर्व, आस्था का अनुपम उपहार,
छठी मैया के चरणों में, झुकता है सारा संसार।
नदी किनारे सजे घाट हैं, दीपों की सुंदर कतार,
सूप, फल, ठेकुआ लें, सजता श्रद्धा का दरबार।

निर्जल व्रत कठिन साधना, मन में अटूट विश्वास,
डूबते सूरज को अर्घ्य दें, जागे नई उम्मीद आस।
उगते सूरज की किरण, जीवन में खुशियाँ भरती,
छठी मैया की कृपा दृष्टि, हरेक संकट को हरती।

ना कोई ऊँचा, ना नीचा, सभी का समान सम्मान,
लोक संस्कृति की 'झाँकी' छठ पर्व की पहचान।
राम-सिया पावन गाथा, 'कर्ण' की सूर्य उपासना,
श्रद्धा-संयम-समर्पण से, सीखें जीवन को साधना।

व्रत में 'संतान' की खुशियाँ, परिवार मंगल संसार,
हर चौक सुख-शांति बरसे, महके प्रेम घर-परिवार।
जय-जय छठी मैया की गूँजे, गूँजे सूर्यदेव का गान,
श्रद्धा के इस महापर्व को, शत-शत हमारा प्रणाम।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)
मो. 98260 25986



विकास की नई किरण

दंतेवाड़ा के सुदूर 'लावा' गाँव में पहली बार गूंजी टीवी की आवाज, क्रेडा और जिला प्रशासन की अनूठी पहल

छत्तीसगढ़ के दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा जिले के धुर नक्सल प्रभावित और दुर्गम इलाकों में विकास का पहिया अब तेजी से घूमने लगा है। इसी कड़ी में दंतेवाड़ा जिले के कुआकोंडा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले एक अत्यंत सुदूर और दुर्गम पहाड़ी गाँव 'लावा' में जिला प्रशासन के सहयोग से क्रेडा विभाग द्वारा 'कम्युनिटी सोलर टीवी' (सामुदायिक सौर टीवी) की स्थापना की गई है। महज़ 21 परिवारों की आबादी वाले इस छोटे से आदिवासी गाँव के लिए यह किसी ऐतिहासिक क्रांति से कम नहीं है, क्योंकि यहाँ के ग्रामीणों ने अपने जीवन में पहली बार गाँव के भीतर ही टेलीविज़न स्क्रीन देखी है।

बस्तर के दूरदराज गाँवों तक विकास और खुशहाली पहुँचाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अभूतपूर्व पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर के हमारे दूरदराज और अंतिम छोर पर बसे गाँवों तक विकास, शिक्षा, और आधुनिक तकनीक की रोशनी पहुँचाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। दंतेवाड़ा के सुदूर लावा गाँव में सामुदायिक सोलर टीवी की स्थापना इस बात का प्रमाण है कि विकास अब नक्सलवाद के अंधेरे को पीछे छोड़कर हर आदिवासी भाई-बहन के जीवन तक पहुँच रहा है। जब इन सुदूर इलाकों के बच्चे और ग्रामीण पहली बार टीवी स्क्रीन पर देश-दुनिया की खबरें और ज्ञानवर्धक कार्यक्रम देखेंगे, तो उनके सपनों को एक नई उड़ान मिलेगी। हमारी सरकार बस्तर के समग्र विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियाँ और चुनौतियाँ

बैलाडीला की ऊँची पहाड़ियों के पीछे और घने जंगलों के बीच बसा लावा गाँव भौगोलिक रूप से बेहद अलग-थलग है। किरंदुल के मुख्य लौह-अयस्क खनन क्षेत्र (NMDC) से करीब 8 किलोमीटर दूर स्थित इस गाँव तक पहुँचने के लिए आज भी कोई पक्की सड़क नहीं है। यहाँ के ग्रामीणों को अपनी बुनियादी ज़रूरतों, जैसे राशन दुकान (PDS) से चावल लाने के लिए आज भी पहाड़ी और पथरीले रास्तों से होकर मीलों पैदल सफर तय करना पड़ता है।

दशकों तक रहा नक्सलवाद का साया

लावा और इसके आसपास का पुरेंगल क्षेत्र दशकों तक घोर नक्सल प्रभावित इलाका रहा है। घने जंगलों और दुर्गम रास्तों का फायदा उठाकर नक्सलियों ने इस क्षेत्र को अपना गढ़ बना रखा था, जिसके कारण कई सालों तक यहाँ न तो कोई प्रशासनिक अधिकारी पहुँच पाता था और न ही कोई जनप्रतिनिधि। सुरक्षा कारणों से यह गाँव पूरी तरह से आधुनिक दुनिया से कटा हुआ था और यहाँ बुनियादी सुविधाओं का पहुँचना एक सपना बना हुआ था।

कम्युनिटी सोलर टीवी से बदलेगी तस्वीर

चूँकि यह गाँव पारंपरिक बिजली ग्रिड से काफी दूर है, इसलिए जिला प्रशासन और क्रेडा (छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण) ने यहाँ सौर ऊर्जा का सहारा लिया। गाँव में लगाए गए इस कम्युनिटी सोलर टीवी के जरिए अब निम्नलिखित बदलाव देखने को मिलेंगे-

आधुनिक दुनिया और सूचनाओं से जुड़ाव

दुर्गम पहाड़ी गाँव 'लावा' में टीवी के माध्यम से अब गांव के लोग छत्तीसगढ़, भारत और पूरी दुनिया में हो रही गतिविधियों और खबरों से सीधे जुड़ सकेंगे। इससे ग्रामीणों को सरकार की नई योजनाओं, कृषि तकनीकों और स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों के बारे में आसानी से पता चल सकेगा।

बच्चों के लिए शिक्षाप्रद ज्ञान

गांव के बच्चों को अब टीवी के माध्यम से मनोरंजन के साथ पढ़ाई, ज्ञानवर्धक और शिक्षाप्रद कार्यक्रम देखने को मिलेंगे, जिससे उनकी समझ और सामान्य ज्ञान बढ़ेगा। सुदूर क्षेत्र में रहने वाले इन बच्चों के लिए स्क्रीन पर देखकर सीखना एक नया और प्रभावी अनुभव होगा।

मनोरंजन और सामाजिक मेलजोल

कम्युनिटी टीवी होने के कारण गांव के सभी 21 परिवार एक जगह इकट्ठा होकर कार्यक्रम देख सकेंगे। इससे ग्रामीणों के बीच आपसी जुड़ाव और बढ़ेगा। दिनभर खेती और वनोपज इकट्ठा करने की कड़ी मेहनत के बाद, शाम को मनोरंजन के साधन मिलने से ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार आएगा।





सौर ऊर्जा का बेहतरीन उपयोग

चूंकि यह इलाका बेहद सुदूर और बिजली की पारंपरिक लाइनों से दूर है, इसलिए सोलर पैनल आधारित टीवी पूरी तरह से आत्मनिर्भर और पर्यावरण के अनुकूल है, जिससे बिना बिजली कटौती की चिंता अपना कामकाज कर सकते हैं।

दशकों के अंधेरे और नक्सली खौफ को पीछे छोड़कर लावा गाँव अब सौर ऊर्जा की रोशनी और सूचना तंत्र के जरिए एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। जिला प्रशासन का यह प्रयास साबित करता है कि सरकार की नज़रें बस्तर के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति पर भी हैं।

सुरक्षा बलों का प्रयास और बदला परिदृश्य

सुरक्षा बलों के लगातार ऑपरेशन्स और मुस्तैदी के बाद अब इस क्षेत्र में नक्सलवाद का प्रभाव लगभग समाप्त हो चुका है। जहाँ कभी दहशत का माहौल था, वहाँ अब बदलाव की बयार बह रही है। हाल के दिनों में जिला कलेक्टर और क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने खुद इस गाँव का दौरा कर ग्रामीणों की चौपाल ली। सुरक्षा और विश्वास के इसी माहौल का नतीजा है कि आज प्रशासन सीधे ग्रामीणों के दरवाज़े तक विकास योजनाएँ पहुँचा रहा है।

|| श्री गणेशम्किाभ्याम नमः || श्री धनवन्तरयै नमः ||

आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श केन्द्र

Dr. Yugesh Sharma
M.D. (N.M.) Regn. 51049/16

सभी कंपनियों के आयुर्वेदिक दवाईयों के थोक एवं चिल्हर विक्रेता



इन बीमारियों का ईलाज
गाठिया, जोड़ों का दर्द, साईटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नजला, गैस, खाज, खुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिकोरियो आदि।



शराब छुड़ाने की हर्बल दवा
एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्वस्थ रहो अभियान...

शिव हर्बल मेडिकल स्टोर
शॉप नं. 07 अल्का काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो.: 9302358945

छठ पूजा 2026

नहाय-खाय से परना तक, जानें महापर्व की पूरी तिथियां



छठ महापर्व 2026 की तिथियां घोषित हो गई हैं, जो 13 नवंबर को नहाय-खाय से शुरू होकर 16 नवंबर को परना के साथ समाप्त होगा। यह आस्था का पर्व सूर्य देव और छठी मैया की पूजा के साथ कड़े नियमों का पालन करते हुए मनाया जाता है।

छठ पूजा 2026

दिवाली के बाद आने वाला छठ का पर्व आस्था का महापर्व कहलाता है। यह पर्व सिर्फ उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड तक सीमित नहीं है, बल्कि दिल्ली-एनसीआर में भी इसका उतना ही महत्त्व है। यही वजह है कि दिवाली बीतते ही इस पर्व को लेकर तैयारियां जोर पकड़ लेती हैं। नहाय-खाय से शुरू होने वाला यह पर्व सूरज और छठी माता की पूजा का महापर्व है, जो कि कड़े व्रती नियमों के साथ पूरा होता है। इस कड़ी में यह जानना जारूरी है कि करोड़ों भक्तों की आस्था का यह पर्व कब से शुरू हो रहा है और कब समाप्त होगा।

कब है छठ का महापर्व

हिंदू पंचांग के मुताबिक, कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि 14 नवंबर की रात 11 बजकर 23 मिनट से शुरू हो रही है, जो कि 16 नवंबर की रात करीब 2 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के मुताबिक, पर्व का मुख्य दिन 15 नवंबर, 2026 यानि रविवार को रहेगा। यह वह दिन है, जब व्रती सूर्यास्त के समय सूरज को अर्घ्य देंगे। वहीं, छठ का समापन 16 नवंबर को उगते सूरज को अर्घ्य देने के बाद होगा।

कब है नहाय-खाय

छठ महापर्व में नहाय-खाय की शुरुआत 13 नवंबर,2026 से होगी। इस दिन व्रती सुबह नहाने के बाद घर की रसोई को साफ करते हैं और खाना बनाने में शुद्धता और पवित्रता का ध्यान रखा जाता है। परंपरा के मुताबिक, इस दिन कद्दू की सब्जी, चने की दाल और चावल बनाए जाते हैं। इसके साथ कठिन नियमों का पालन करते हुए व्रत शुरू हो जाता है।

कब है खरना

छठ पूजा का दूसरा दिन 14 नवंबर को होगा। इसे खरना कहा जाता है। इस दिन व्रती निर्जला उपवास रखते हैं और शाम को पूजा के बाद प्रसाद खाते हैं। खरना में गुड़ की खीर, रोटी और फल होते हैं। इसके बाद फिर अगले 36 घंटे तक निर्जला व्रत की शुरुआत होती है। इस दौरान पानी और खाना नहीं खाया जाता है।

कब है संध्या अर्घ्य

छठ महापर्व में 15 नवंबर को पूजा का सबसे प्रमुख दिन है। इस दिन व्रती परिवार के साथ नदी या तालाब में बांस के सूप में ठेकुआ, फल और अन्य प्रसाद के साथ सूर्यास्त के समय सूरज को अर्घ्य देते हैं।

16 नवंबर को होगा परना

16 नवंबर, 2026 की सुबह सूर्योदय से पहले व्रती नदी या तालाब में खड़े होकर उगते सूरज को अर्घ्य देंगे और इसके साथ ही 36 घंटे का निर्जला उपवास खत्म होगा। इस दिन को परना कहा जाता है। ऐसे में खरना से शुरू होकर यह पर्व परना पर खत्म होगा।



एआई जनरेटेड

छठ पूजा: आस्था, संयम, सूर्य उपासना का महापर्व

छठ पूजा सिर्फ एक व्रत नहीं है, यह हमारी संस्कृति की आत्मा है। पूर्वांचल-बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड सहित पूरे भारत में मनाया जाने वाला यह पर्व आज दुनिया भर में फैल चुका है। छत्तीसगढ़ में सभी प्रदेश के लोग निवास करते हैं। पूर्वांचलवासी भी बड़ी संख्या में छत्तीसगढ़ को अपना घर बना लिए हैं और यहीं के रह गए हैं, ऐसे में छत्तीसगढ़ में भी इस महापर्व को बड़े स्तर पर धूमधाम और उल्लास के साथ मनाते हैं, जिसमें छत्तीसगढ़वासी भी बड़ी संख्या में भाग लेते हैं। आज इस महापर्व का इतना विस्तार हो गया है कि अग्रवाल सहित सभी जाति के लोग इस महापर्व को मनाते हैं और छठी मैय्या की उपासना करते हैं। इस महापर्व की खासियत यह है- इसमें न कोई पंडित जरूरी है, न कोई बड़ा आडंबर। बस चाहिए - शुद्ध मन, कड़ा संयम और सूर्य देव के प्रति अटूट श्रद्धा।

कौन हैं छठी मैया ?

शास्त्रों के अनुसार छठी मैया सूर्य देव की बहन और भगवान ब्रह्मा की मानस पुत्री हैं। इन्हें संतान की रक्षा करने वाली, रोग दूर करने वाली और सुख-समृद्धि देने वाली जीवंत देवी माना जाता है। माताएं अपने बच्चों के दीर्घायु और परिवार की खुशहाली के लिए छठी मैया की पूजा करती हैं।

चार दिन का महा अनुष्ठान

1. नहाय-खाय - पहले दिन व्रती गंगा, नदी या तालाब में स्नान कर शुद्ध शाकाहारी भोजन ग्रहण करते हैं। घर की पूरी शुद्धता का ध्यान रखा जाता है।

2. खरना- दूसरे दिन दिनभर निर्जला उपवास के बाद शाम को गुड़ की खीर, रोटी और केले का प्रसाद बनता है। व्रती इसी प्रसाद को ग्रहण कर 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू करते हैं।

3. संध्या अर्घ्य- तीसरे दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। बांस के सूप में ठेकुआ, फल, गन्ना, नारियल सजाकर व्रती कमर भर पानी में खड़े होकर सूर्य को प्रणाम करते हैं। यही छठ का सबसे भावुक क्षण होता है।

4. उषा अर्घ्य- चौथे दिन सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत सम्पन्न होता है।

छठ की सबसे बड़ी सीख

छठ महापर्व हमें सिखाता है कि भगवान को पाने के लिए महंगे चढ़ावे नहीं, मन की पवित्रता चाहिए। इस पर्व में जात-पात, अमीर-गरीब का कोई भेद नहीं होता। सब एक ही घाट पर, एक ही पानी में, एक ही सूर्य को अर्घ्य देते हैं।

सूर्य देव ही एकमात्र ऐसे देवता हैं जिन्हें हम आंखों से देख सकते हैं। छठ हमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञ होना सिखाता है - जल, वायु, अन्न और प्रकाश के लिए धन्यवाद देना।

कोरबा में भी छठ महापर्व की धूम रहती है। हसदेव नदी के घाटों पर हजारों व्रती एक साथ अर्घ्य देते हैं, तो पूरा शहर भक्तिमय हो जाता है। कोरबा शहर के अलावा कुसमुण्डा, गेवरा, दीपका, मानिकपुर, बालको, दर्री, कटघोरा, पाली, बांकीमोंगरा, छुरीकला, उरगा सहित कस्बाई क्षेत्रों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी छठ पूजा मनाने की प्रचलन प्रारंभ हो गई है। कोरबा के ढेंगुरनाला, तुलसीघाट, मुड़ापार, हसदेव घाट, मानिकपुर छठ घाट, बालको सहित सभी घाटों को निगम प्रशासन ने स्वच्छ कर दिया है। आयोजन समितियां अपने-अपने पूजा स्थलों में आवश्यक तैयारियां भी कर ली हैं।

छठ के गीत-

'कांच ही बांस के बहंगिया...' गूंजते हैं तो आंखें अपने आप नम हो जाती हैं। आइए, इस छठ पर हम भी छठी मैया से प्रार्थना करें -

जय छठी मैया, सबके घर में सुख-शांति और मंगल बनाए रखना।

दिव्य आकाश परिवार की ओर से छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं!

एजेंसी से साभार।

तुलसी विवाह 2026

कब है शुभ मुहूर्त और क्या है सही पूजा विधि? जानें पूरी जानकारी

तुलसी विवाह देवी तुलसी और भगवान विष्णु से जुड़े सबसे पवित्र हिंदू त्योहारों में से एक है। यह पर्व तुलसी के पौधे की भगवान विष्णु से शादी की रस्म से जुड़ी है, जिन्हें अक्सर शालिग्राम के रूप में पूजा जाता है।

कार्तिक महीने में मनाया जाने वाला तुलसी विवाह भक्ति, पवित्रता, शुभ आरंभ और तुलसी और भगवान विष्णु के बीच पवित्र रिश्ते का प्रतीक माने जाते हैं।

तुलसी विवाह कब है?

तुलसी विवाह की तिथि- 21 नवंबर 2026, शनिवार

द्वादशी तिथि की शुरुआत- 21 नवंबर 2026 को सुबह 06 बजकर 31 मिनट पर

द्वादशी तिथि समाप्त- 22 नवंबर 2026 को सुबह 4 बजकर 56 मिनट पर

प्रदोष काल या मुख्य पूजा का शुभ मुहूर्त- शाम 5 बजकर 25 मिनट से लेकर शाम 7 बजकर 49 मिनट तक

ब्रह्म मुहूर्त- सुबह 4 बजकर 40 मिनट से लेकर सुबह 5 बजकर 30 मिनट तक

अभिजीत मुहूर्त- दोपहर 11 बजकर 42 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 28 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त- शाम 5 बजकर 25 मिनट से लेकर शाम 6 बजकर 13 मिनट तक

तुलसी विवाह पूजा विधि

तुलसी के पौधे को छट, आंगन या पूजा स्थल पर एक साफ चौकी पर रखें। इसके बाद तुलसी के गमले के चारों तरफ गन्ने से सुंदर मंडप बनाए और उस पर हल्दी का लेप लगाएं। तुलसी के पास भगवान विष्णु के शालिग्राम को विराजित करें। शालिग्राम न हो तो भगवान विष्णु की प्रतिमा भी रख सकते हैं।

तुलसी माता को सुहाग का सामान अर्पित करें और फूल-माला चढ़ाएं। भगवान शालिग्राम और तुलसी माता को हल्दी चंदन का लेप लगाएं। भगवान शालिग्राम की पूजा में चावल का प्रयोग नहीं किया जाता है, इसकी जगह काले तिल का इस्तेमाल करें।

अब परिवार का कोई पुरुष सदस्य शालिग्राम भगवान को हाथ में लेकर तुलसी जी की 7 बार परिक्रमा करवाएं। आखिर में कपूर और धूप जलाकर आरती करें और भोग लगाएं।

तुलसी विवाह 2026 का महत्व

माना जाता है कि, जो भी व्यक्ति भक्ति भाव से तुलसी विवाह की पूजा करता है, उसे कन्यादान के समान ही पुण्य मिलता है। तुलसी विवाह कराने से भगवान नारायण और माता लक्ष्मी की कृपा मिलती है। मां लक्ष्मी की कृपा से जीवन में सुख-शांति और समृद्धि मिलती है। माना जाता है कि इस पूजा को करने से वैवाहिक जीवन की परेशानियां दूर हो जाती है।





LIC है तो कहीं और क्यों जाएं...?
एलआईसी कराएं... परिवार में सुख-समृद्धि पाएं
LIC भारतीय जीवन बीमा निगम LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
आज ही बीमा कराएं अपने और अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित एवं बेहतर बनाएं
नई योजनाओं की जानकारी आज ही लें।
सालिक राजवाड़े (बीमा अभिकर्ता)
कार्पोरेट ऑफिस - वेदांत बीमा सेवा केंद्र
प्रेस क्लब के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा
मो.नं.-90987-52955, 99262-57886

LIC है तो कहीं और क्यों जाएं...?
एलआईसी कराएं... परिवार में सुख-समृद्धि पाएं
LIC भारतीय जीवन बीमा निगम LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
आज ही बीमा कराएं अपने और अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित एवं बेहतर बनाएं
नई योजनाओं की जानकारी आज ही लें।
सालिक राजवाड़े (बीमा अभिकर्ता)
कार्पोरेट ऑफिस - वेदांत बीमा सेवा केंद्र
प्रेस क्लब के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा
मो.नं.-90987-52955, 99262-57886

बालको के नंद घरों से संवर रहा बच्चों का बचपन, मजबूत हो रही शिक्षा और पोषण की नींव

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

बच्चों के बेहतर बचपन और स्वस्थ भविष्य की नींव प्रारंभिक शिक्षा, उचित पोषण और सकारात्मक परिवेश से तैयार होती है। इसी दिशा में भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) छत्तीसगढ़ में अपने 111 नंद घरों के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बढ़ावा दे रहा है। खेल-आधारित शिक्षा, पोषण जागरूकता और स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों के जरिए ये केंद्र ग्रामीण समुदाय में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं।

नंद घरों में बच्चों को रचनात्मक और खेल-आधारित गतिविधियों के माध्यम से अक्षर पहचान, अंग्रेजी के सामान्य शब्द और गिनती जैसी बुनियादी शिक्षा दी जाती है। साथ ही, पौष्टिक आहार, स्वास्थ्य जांच और



स्वच्छता संबंधी जागरूकता के माध्यम से उनके शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित किया जाता है। गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं को भी मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, संतुलित आहार और पोषण के प्रति जागरूक किया जाता है।

दोंदरो निवासी निशा यादव ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया, 'मेरा बेटा भी नंद घर में पढ़ाई करता है। यहां वह बहुत अच्छी तरह नई-नई चीजें सीख रहा है। सबसे अच्छी बात यह है कि अब वह सुबह खुद उठकर नंद घर जाने के लिए उत्साहित रहता है। यहां उसे दूसरे बच्चों के साथ खेलने, सीखने और घुलने-मिलने का अवसर मिलता है। साथ ही, उसे पौष्टिक भोजन भी दिया जाता है, जिससे उसकी अच्छी आदतों का विकास हो रहा है। मैं सभी माताओं से कहना चाहूंगी कि वे भी अपने



बच्चों को नंद घर जरूर भेजें, ताकि उन्हें पढ़ाई, खेल और बेहतर पोषण के साथ आगे बढ़ने का अच्छा अवसर मिल सके।

शासकीय प्राथमिक पाठशाला में सहायक शिक्षिका ममता चौहान ने नंद घर की सराहना करते हुए कहा, 'वेदांता की नंद घर पहल ग्रामीण क्षेत्रों में प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत बनाने की दिशा में सराहनीय प्रयास है। नंद घर के माध्यम से बच्चों में समझने, सीखने और नई चीजों को अपनाने की क्षमता विकसित हो रही है। बच्चे यहां रचनात्मक गतिविधियों के जरिए अक्षर ज्ञान, अंग्रेजी के शब्द, वर्णमाला और गिनती जैसी बुनियादी चीजें सीख रहे हैं। इसका सकारात्मक प्रभाव बच्चों की स्कूल जाने की तैयारी और सीखने के प्रति उनकी रुचि में भी दिखाई देता है। शासन की शिक्षा संबंधी पहल को भी इससे मजबूती मिल रही है। नंद घर बच्चों की शिक्षा की मजबूत नींव तैयार करने और उनके उज्ज्वल भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।'

पोषण विशेषज्ञ अंजू यादव ने कहा, 'बच्चों का स्वस्थ विकास और महिलाओं का बेहतर स्वास्थ्य एक सशक्त समाज की नींव है। इस दिशा में बालको द्वारा नंद घरों के माध्यम से पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने की पहल बेहद सराहनीय है। नंद घर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, प्रारंभिक शिक्षा और सामुदायिक सशक्तीकरण के महत्वपूर्ण केंद्र बन रहे हैं। टेक-होम राशन (टीएचआर) के पोषण लाभ और उससे घर पर पौष्टिक आहार तैयार करने के तरीके बताना भी उपयोगी पहल है। कुपोषण से लड़ाई में सही जानकारी और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव बेहद जरूरी हैं। बालको की यह पहल माताओं को जागरूक बनाने और परिवारों में बेहतर पोषण आदतें विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह स्वस्थ मातृत्व, सुपोषित बचपन और बेहतर भविष्य की दिशा में सराहनीय प्रयास है।

बालको के 111 नंद घरों के माध्यम से अब तक 7,000 से अधिक बच्चों और माताओं को लाभान्वित किया जा चुका है। प्रारंभिक शिक्षा, पौष्टिक आहार और पोषण जागरूकता के जरिए यह पहल बच्चों के सर्वांगीण विकास और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बढ़ावा दे रही है। रचनात्मक गतिविधियों से बच्चों में सीखने की जिज्ञासा विकसित करने और परिवारों में बेहतर पोषण आदतों को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जा रहा है। बालको का यह प्रयास सुपोषित बचपन और शिक्षित पीढ़ी के निर्माण की दिशा में एक सार्थक कदम है।

एनकेएम लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा के बच्चों ने खुशियों के बीच मनाया बाल दिवस



कोरबा/मड़वारानी (दिव्य आकाश)।

नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल मड़वारानी में 14 नवम्बर को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती के उपलक्ष्य में बाल दिवस बड़े ही हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शिक्षकों द्वारा आयोजित विशेष प्रार्थना सभा से हुआ, जिसमें बच्चों के प्रति चाचा नेहरू के प्रेम और उनके सपनों को याद किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों की खुशियों को दोगुना करने के लिए सभी कक्षाओं में बच्चों को स्कूल की ओर से उपहार, मिठाइयाँ एवं चॉकलेट वितरित की गईं। साथ ही विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन कर बच्चों को उत्साहपूर्वक भाग लेने, आत्मविश्वास बढ़ाने एवं अपनी प्रतिभा निखारने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण विद्यालय के संस्थापक पीएमजेएफ लायन डॉ राजकुमार अग्रवाल का बच्चों के बीच आगमन रहा। उन्होंने विद्यार्थियों को स्नेहपूर्वक मिठाइयाँ वितरित कीं तथा अपना आशीर्वाद देकर उनका उत्साहवर्धन किया।

अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे अनमोल मुस्कान हैं। हर बच्चे के भीतर एक विशेष प्रतिभा छिपी होती है। उसे पहचानकर आगे बढ़ाना हम सभी का दायित्व है। जीवन में बड़े सपने देखें, खूब मेहनत करें, अनुशासन अपनाएँ और हमेशा अच्छे संस्कारों के साथ आगे बढ़ें।

उन्होंने सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें जीवन में सफलता की नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करने का आशीर्वाद दिया।

वहीं विद्यालय की चेयरमैन श्रीमती खुशबू आशीष अग्रवाल ने अपने स्नेहपूर्ण संबोधन में बच्चों को संदेश दिया कि बचपन, जीवन का सबसे खूबसूरत दौर है। इसे सीखने, खेलने और नए सपने देखने में बिताएँ। उन्होंने बच्चों को अपनी रुचियों को पहचानने, असफलताओं से घबराने के बजाय उनसे सीखने तथा हमेशा जिज्ञासु और सकारात्मक बने रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हर बच्चा अपने आप में एक चमकता सितारा है, बस जरूरत है अपने सपनों को मेहनत और लगन से साकार करने की।

इस अवसर पर विद्यालय के शैक्षणिक प्रमुख सुभाषचन्द्र अनन्त ने बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चा अपने आप में अनमोल है। बच्चों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि अच्छे संस्कार, आत्मविश्वास, अनुशासन एवं रचनात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों द्वारा बच्चों के लिए आयोजित विशेष कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही इस आयोजन की सबसे बड़ी सफलता है। पूरा विद्यालय परिसर बच्चों की हँसी, उमंग और खुशियों से सराबोर रहा। इस प्रकार बाल दिवस का आयोजन बच्चों के लिए यादगार एवं आनंदमय बन गया।

अशोक मोदी को महाराजा अग्रसेन ग्लोबल अवार्ड मिलने पर छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ ने दी बधाई



कोरबा (दिव्य आकाश)। प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं समाजसेवी अशोक मोदी को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में महाराजा अग्रसेन ग्लोबल अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि अशोक मोदी का यह सम्मान कोरबा सहित पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है। व्यवसाय के क्षेत्र में उनकी प्रतिष्ठा और समाजसेवा के प्रति उनका समर्पण प्रेरणादायक है। संघ ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा जताई कि वे आगे भी समाजहित में इसी तरह अपना योगदान देते रहेंगे। उपस्थित पदाधिकारी जिला अध्यक्ष विपेन्द्र कुमार साहू, जिला सचिव जय सिंह नेताम, संयोजक तपेश्वर राठौर, सलाहकार कृष्ण निर्मलकर, सत्येंद्र पुरी सहित सदस्यों ने श्री मोदी का अभिनंदन किया।

छठ महापर्व: 15 नवम्बर को डूबते सूरज को एवं 16 नवम्बर को उगते सूरज को अर्घ्य देंगे पूर्वांचलवासी

कोरबा (दिव्य आकाश)।

13 नवम्बर से नहाय-खाए के साथ पूर्वांचल वासियों का महापर्व सूर्य षष्ठी (छठ पूजा) प्रारंभ हुआ और 14 नवम्बर को जगह-जगह पूर्वांचल वासियों ने खरना प्रसाद बनाया और वितरित कर पुण्य लाभ लिया। 15 नवम्बर को संध्याकालीन बेला पर पूर्वांचलवासी हसदेव नदी, तालाबों, पोखरियों एवं नहर में बने छठ घाट पहुंचेंगे और डूबते सूरज को अर्घ्य देंगे।

14 नवम्बर को छठ महापर्व के दूसरे दिन महापौर निवास में सामूहिक खरना प्रसाद का वितरण किया गया, जहां पर हजारों की संख्या में पूर्वांचलवासी, भाजपा नेता, पत्रकारगण, बुद्धिजीवी वर्ग सहित क्षेत्र के लोग पहुंचे और प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ लिया। पूर्वांचल विकास समिति के वरिष्ठ सदस्य, पूर्व पुलिस इंस्पेक्टर चंद्रमा सिंह राजपूत, महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, ननका उर्फ विजय सिंह राजपूत सहित पूरा परिवार ने उपस्थित अतिथियों को अपने हाथों से खरना प्रसाद का वितरण किया। चंद्रमा सिंह

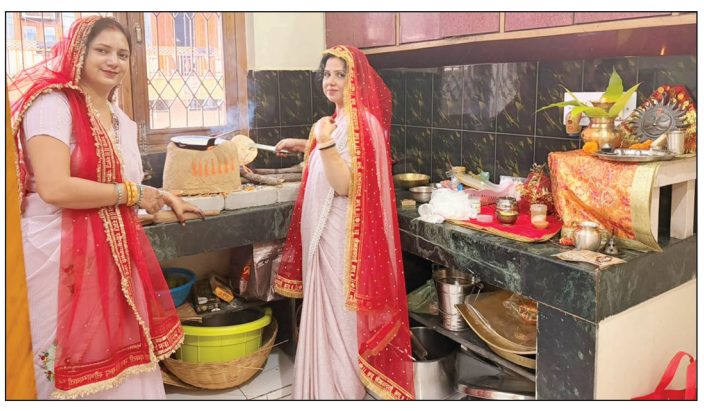


राजपूत, महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने उपस्थित अतिथियों को छठ महापर्व की शभकामनाएं दीं। चंद्रमा सिंह राजपूत ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि छठी मैय्या जीवंत देवी हैं और उनकी उपासना से दम्पत्ति को संतान प्राप्ति और व्रतियों को सुख समृद्धि के साथ जीवन को खुशहाल बनाती हैं। उन्होंने कोरबावासियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दी। श्री राजपूत ने सैकड़ों लोगों को व्यक्तिगत रूप से फोन कर खरना प्रसाद प्राप्ति के लिए आमंत्रित किया था।



छठ घाटों में तैयारियां पूर्ण

कोरबा ट्रांसपोर्ट नगर स्थित आयुर्वेद सदन:पंचकर्म चिकित्सालय की डायरेक्टर पंचकर्म चिकित्सा विशेषज्ञ, राजपूत क्षत्रीय समाज महिला मंडल की पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्वांचल विकास समिति की वरिष्ठ सदस्य श्रीमती डॉ. मनीषा सिंह ने घर में खरना प्रसाद सपरिवार बनाया और लोगों को



आमंत्रित कर खरना प्रसाद का वितरण किया। उपस्थित जनों को डॉ. श्रीमती मनीषा सिंह, इंजीनियर कन्हैया सिंह ने छठ पूजा पर सभी को शुभकामनाएं दी। डॉ. मनीषा सिंह ने कहा कि छठ माता की पूजा, उपासना एवं व्रत करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। मंत्री लखनलाल देवांगन, पूर्वमंत्री जयसिंह अग्रवाल, निगम सभापति नूतन सिंह ठाकुर, बालको सीईओ आर के सिंह, पूर्वांचल विकास समिति के संरक्षक कमलेश यादव, अध्यक्ष अवधेश सिंह, पूर्वांचल सर्वसमाज के सचिव लायन अरविन्द शर्मा ने भी सभी व्रतियों सहित जिलेवासियों को छठ पूजा की बधाई दी है और कोरबा जिले की समृद्धि एवं सुख-शांति के लिए मंगलकामना की है।



छठ पूजा का उल्लास: हर घर रंगोली

सप्ताश्वरथमारूढं प्रचण्डं कश्यपात्मजम् श्वेतपद्मधरं देवं तं सूर्यं प्रणमाम्यहम्।।
15 नवम्बर 2026 सूर्य षष्ठी
भगवान भुवन भास्कर के सत्व प्रकाश से घर-घर समृद्धि और खुशहाली आए...
समस्त जिलेवासियों को छठ पर्व की अशेष शुभकामनाएं... एवं समस्त व्रतियों को नमन एवं अभिनंदन...
श्रीमती पूजा दुबे
सभापति - महिला एवं बाल विकास समिति
सदस्य - जनपद पंचायत पोड़ी-उपरोड़ा

प्राथमिक शाला डुगूपारा में बाल दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया



पाली (दिव्य आकाश)। पाली विकासखंड अंतर्गत संकुल केंद्र सोनसरी के प्राथमिक शाला डुगूपारा में 14 नवंबर को बाल दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालय प्रांगण को बच्चों द्वारा रंग-बिरंगे गुब्बारों और पोस्टरों से सजाया गया था। सुबह से ही विद्यालय में उत्सव जैसा माहौल रहा। कार्यक्रम की शुरुआत देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर और दीप प्रज्वलित कर की गई। इस अवसर पर प्रधान पाठक प्यारेलाल कोराम ने बच्चों को बाल दिवस के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि पंडित नेहरू जी को बच्चों से अत्यंत प्रेम था, इसलिए उनके जन्मदिवस को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। बच्चों को चाचा नेहरू के आदर्शों पर चलने और खूब मन लगाकर पढ़ने की प्रेरणा दी गई। बाल दिवस के इस पावन अवसर पर विद्यालय में न्योता भोजन का आयोजन किया गया। प्रधान पाठक प्यारेलाल कोराम के सौजन्य से सभी स्कूली बच्चों को प्रेमपूर्वक स्वादिष्ट भोजन कराया गया। भोजन में बच्चों ने बड़े उत्साह से भाग लिया।कार्यक्रम के दौरान अतिथियों एवं शिक्षकों द्वारा सभी बच्चों को शिक्षा सामग्री के रूप में पेन, पेंसिल, रबर और टॉफी-बिस्किट का वितरण किया गया। सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे पर खुशी देखते ही बन रही थी। बच्चों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम, कविता पाठ और भाषण भी प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर मुख्य रूप से पंच सुशीला बाई, शाला प्रबंधन समिति (एस.एम.सी.) अध्यक्ष मनीषा पैकरा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ललिता सिदार, सहायिका शारदा देवी, समूह की सदस्य राजकुमारी, देवकुंवर, सविता, चंपाबाई, शिक्षक शम्हन सिंह राज, भूतपूर्व छात्राएं सुप्रिया, गौरी, रूपेश कुमार, ग्रामीणजन एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का भव्य शुभारंभ

माखनपुर हायर सेकेंडरी स्कूल की टीम ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से बांधा समां,अतिथियों ने स्वयंसेवकों को दिया सेवा और समर्पण का संदेश



पाली (दिव्य आकाश)। राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ उत्साह,उमंग और सांस्कृतिक उल्लास के वातावरण में हुआ।कार्यक्रम में माखनपुर हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य एस.के. पटेल के विशेष मार्गदर्शन में शिविर का विधिवत आगाज किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती, छत्तीसगढ़ महतारी, मां सरस्वती, स्वामी विवेकानंद जी एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके पश्चात सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। शिविर के शुभारंभ अवसर पर विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति की शानदार झलक प्रस्तुत की। बच्चों द्वारा प्रस्तुत जसगीत, सुआ नृत्य एवं कर्मा नृत्य ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। पारंपरिक लोकगीतों और मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों से पूरा वातावरण उल्लास एवं उत्साह से सराबोर हो उठा। हजारों रुपए की नगद राशि बच्चों ने ईनाम में प्राप्त किया।

प्रज्ञा संजीवनी-वन औषधालय पाली में चिकित्सा शिविर को मिला लोगों का अच्छा प्रतिसाद

भगवान धनवंतरी ने दिया आयुर्वेद का मंत्र -डॉ. पवन सिंह

वैद्यराज रामफल पटेल का समाज में रचनात्मक कार्य सराहनीय

पाली (दिव्य आकाश)।

आरोग्य के देवता भगवान श्री धनवंतरी जयंती पर पाली स्थित प्रज्ञा संजीवनी-वन औषधालय में पारंपरिक/आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। प्रात: 10.00 बजे जिला पंचायत कोरबा के अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह के मुख्य आतिथ्य में प्रज्ञा संजीवनी- वन औषधालय के संचालक वैद्यराज रामफल पटेल की अध्यक्षता एवं उपस्थित समाजसेवियों, ग्रामीणों की उपस्थिति में शिविर का शुभारंभ भगवान श्री धनवंतरी की पूजा अर्चना के साथ हुआ।

शिविर को सम्बोधित करते हुए जिला पंचायत कोरबा के अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह ने कहा कि भारत में ही सबसे पहले चिकित्सा प्रारंभ हुआ और भगवान श्री धनवंतरी ने पूरे विश्व को आरोग्य का मंत्र, चिकित्सा विधि दी। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद में सभी बीमारियों का ईलाज संभव है। उन्होंने वैद्यराज रामफल पटेल के रचनात्मक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि श्री पटेल द्वारा पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को बढ़ाया जा रहा है और पारंपरिक चिकित्सा से गंभीर बीमारियों का ईलाज करने के साथ लोगों के बीच जाकर नशामुक्ति अभियान चलाया जा रहा है, ताकि समाज स्वस्थ हो और एक आदर्श समाज की स्थापना हो।



जैसा आहार-विहार, वैसा जीवन

वैद्यराज रामफल पटेल ने बताया कि आहार-विहार पर लोगों का स्वास्थ्य निर्भर होता है। आज के व्यस्त जीवन में लोगों के पास स्वयं के लिए समय नहीं है और ढर्रे पर जीवन चल रहा है और लोगों का स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। दीर्घायु और स्वस्थ जीवन के लिए अनुशासित जीवन शैली जरूरी है। रोज सुबह उठना और कुछ किलोमीटर आक्सीजोन पर पैदल चलना या दौड़ना, व्यायाम करना, योग-साधना और ध्यान लगाना जरूरी है। इसी तरह शाम को भी टहलना, पैदल विहार करना, लोगों के साथ समय बिताना और जो अच्छा लगे-संगीत सुनना, भजन गाना, वाद्य यंत्र बजाना, प्रकृति के साथ समय बिताना, परिवार या मित्रों के साथ कुछ दूर रोज सैर करना भी मन को संतुष्टि देता है। जब मन प्रसन्न होता है, तो अवसाद खत्म होता है और यही दीर्घायु और स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी है। इसी तरह शुद्ध आहार, सात्विक आहार जीवन को दीर्घायु और स्वस्थ बनाता है।

पारंपरिक चिकित्सा में हर बीमारियों का ईलाज- वैद्यराज रामफल पटेल



कार्यक्रम की अध्यक्षता/संयोजक रामफल पटेल ने शिविर में उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश दिया और कहा कि स्वास्थ्य धन ही सबसे बड़ा धन है और दीर्घायु तथा स्वस्थ जीवन जीने के लिए आयुर्वेद को अपनाएं। उन्होंने उपस्थित लोगों को आयुर्वेद चिकित्सा का लाभ दिया और नाड़ी परीक्षण कर बीमारियों की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ आवश्यक आयुर्वेद दवाईयां वितरित की।

ज्ञातव्य हो कि वैद्यराज रामफल पटेल पहाड़ों में जाकर दुर्लभ जड़ी बुटियों की खोज करते हैं और गंभीर बीमारियों के लिए दवाईयों का स्वयं अनुसंधान भी करते हैं।

सैकड़ों लोगों ने लिया शिविर का लाभ



पाली बस स्टैण्ड स्थित प्रज्ञा संजीवनी-वन औषधालय परिसर में भगवान धनवंतरी जयंती पर आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें संचालक वैद्यराज रामफल पटेल ने नाड़ी परीक्षण कर लोगों को स्वास्थ रहने के लिए आवश्यक उपाय बताए और स्वास्थ्य जांच भी किया। शिविर में पाली क्षेत्र के सैकड़ों लोग पहुंचे और शिविर का लाभ लिया।

चूंकि डॉ. पवन सिंह भी एक चिकित्सक हैं और उन्होंने भी यहां उपस्थित लोगों के चिकित्सा में अपनी सहभागिता निभाते हुए स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश दिया।

एनकेएम लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा के बच्चों ने बिखेरी छत्तीसगढ़ी संस्कृति की अनुपम छटा



कोरबा (दिव्य आकाश)।

01 नवम्बर 2000 का वह स्वर्णीम दिन, जब प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी ने छत्तीसगढ़ को मध्यप्रदेश से अलग कर विकास का नया द्वार खोल दिया और यहां की छत्तीसगढ़ी संस्कृति को अलग पहचान दी। 26 साल का युवा छत्तीसगढ़ अब विकास की नई इबारत लिख रहा है। आज प्रदेश के कोने-कोने में इसका जश्न मनाया जा रहा है। तीन दिन तक प्रदेश में चलने वाला राज्योत्सव छत्तीसगढ़ की संस्कृति, यहां की विरासत और यहां की प्रगति को रेखांकित कर रहा है।

इसी कड़ी में आज मड़वारानी के पास स्थित ग्राम खरहरकुड़ा में संचालित छत्तीसगढ़ का सर्वोत्कृष्ट ग्रामीण अंचल में सीबीएसई अंग्रेजी माध्यम का विद्यालय एनकेएम लायंस पब्लिक हायर सेकेण्डरी स्कूल के बच्चों ने राज्य स्थापना दिवस को अपनी प्रस्तुति से खास बना दिया और नन्हें-मुन्ने बच्चों ने फैंसी ड्रेस, छत्तीसगढ़ी गीत, संगीत एवं नृत्य के माध्यम से छत्तीसगढ़ की संस्कृति और विरासत को आकार दिया। बच्चों की प्रस्तुति इतनी आकर्षक थी कि बच्चों की तालियों से सांस्कृति हॉल गुंजायमान हो गया।

डायरेक्टर राजकुमार अग्रवाल ने दी बधाई



एनकेएम लायंस पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने बच्चों सहित क्षेत्र एवं जिलेवासियों को राज्य स्थापना पर बधाई दी और कहा कि हमारा छत्तीसगढ़ पूरे विश्व में सबसे सुंदर, शांत और सद्भाव को समेटे हुए अलौकिक प्रदेश है, जहां कोई एक बार आता है-यहीं का होकर रह जाता है। यहां की संस्कृति और विरासत जहां लोगों को आकर्षित करते हैं, वहीं यहां का प्राकृतिक सौंदर्य पर्यटन के रूप में लोगों को एक बार नहीं बार-बार आने के लिए लालायित करता है। यहां के निवासी का मधुर व्यवहार ऐसा, कि लोग यहां आकर रम जाते हैं। ऐसी है हमारी छत्तीसगढ़ महतारी की अनमोल भूमि।



प्रतिभा: शिवाली शर्मा ने की बॉटनी में पीएचडी, गुरू घासीदास विश्व विद्यालय से अवार्ड

नीट, सेट को भी किया क्वालीफाई, 10वीं में 93.33 एवं 12वीं में 93.4 प्रतिशत के साथ परीक्षा पास

ग्रेजुएशन बीएससी ऑनर्स (बॉटनी) में 81.93 एवं पीजी एमएससी बॉटनी में 88.08 के साथ किया अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन

बिलासपुर (दिव्य आकाश)।

कड़ी मेहनत और लगन के साथ जो भी विद्यार्थी आगे बढ़ता है, उसे लक्ष्य जरूर हासिल होता है, भले ही थोड़ा समय लगे। ऐसे ही कड़ी मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने वाली होनहार छात्रा शिवाली शर्मा ने कर दिखाया और प्रारंभ से ही प्रतिभावान शिवाली ने अपनी मेहनत एवं लगन के बल पर सीएसआईआर एनईटी जेआरएफ के साथ-साथ सीजी सेट और माइक्रोबॉयोलॉजी में पीएचडी कर जिले को गौरव प्रदान किया।

प्रारंभ से ही प्रतिभावान शिवाली शर्मा ने अपना लक्ष्य तय कर आगे बढ़ रही हैं। शासकीय सेवक आर के शर्मा एवं हाऊस वाईफ श्रीमती इंदिरा शर्मा की होनहार पुत्री शिवाली शर्मा ने 2013 में हाई स्कूल सर्टिफिकेट में 93.33 प्रतिशत, हायर सेकेण्डरी सर्टिफिकेट 2015 में 93.4 प्रतिशत अंक हासिल किया। 12वीं में बायोलॉजी विषय लेकर हायर सेकेण्डरी पास की। बीएससी ऑनर्स (बॉटनी) 2018 में 81.93 अंक अर्जित किया, वहीं एमएससी बॉटनी 2020 में 88.08 प्रतिशत अंक अर्जित कर अपनी सफलता का लोहा मनवाया, उन्होंने एमएससी गुरूघासीदास विश्वविद्यालय (सेन्ट्रल युनिवर्सिटी) बिलासपुर से पास किया।

2020 में सीएसआईआर एनईटी जेआरएफ क्वालिफाईट किया। 2025 में सीजी एसईटी क्वालिफाईट किया वहीं उन्होंने पीएचडी-डिपार्टमेंट ऑफ बॉटनी, गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर, रिसर्च फिल्ड-माईक्रोबॉयोलॉजी में किया।

Research Topic- Study of Qurum Sensing Regulated Siderophore Production From Soil Rhizosphere Bactria Isolated From Rice Filed of Chhattisgarh.

PHD Suparvisor- Dr. Vibhaynath Tripathi, Assistant Professor-Guru Ghasidas University Bilaspur



पूरा परिवार उच्च शिक्षित

शिवाली शर्मा ने प्रारंभिक शिक्षा नवजागृति उच्चतर माध्यमिक शाला तखतपुर से प्रारंभ की और प्रारंभ से ही लगन और कड़ी मेहनत तथा माता-पिता की प्रेरणा को उज्ज्वल भविष्य के लिए हथियार बनाया। आज वो पीएचडी की उपाधि से शिक्षा और उन्नत कृषि क्षेत्र में काम करने को अपने कैरियर का लक्ष्य बनाया है।

शिवाली शर्मा के पिता लोकनिर्माण विभाग में सहायक ग्रेड-2 के पद पर कार्यरत हैं और एक कर्त्तव्यनिष्ठ लोक सेवक हैं। बड़े भाई डॉ. शशांक शर्मा भी फिजिक्स में पीएचडी हैं और उनकी भाभी अल्का शर्मा एमएससी (केमिस्ट्री) बीएएड हैं।

शिवाली शर्मा बचपन से ही पढ़ाई के प्रति संजीदा हैं और माता-पिता पढ़ाई के लिए हमेशा प्रोत्साहित करते रहें।

हर काम को संभव कर दिखाती है शिवाली- आर के शर्मा

शिवाली शर्मा की सफलता पर पिता भावुक हुए और कहा कि बेटियां घर की शान और मान दोनों होती हैं, वे असंभव को संभव करने की माद्दा रखती हैं। बेटियों को प्रोत्साहित करने की जरूरत है, फिर वे अपने स्वर्णिम भविष्य का रास्ता खुद तय कर लेती हैं। शिवाली, हर काम को संभव कर दिखाती है और बचपन से ही पढ़ाई के प्रति ऐसी रूचि रखती थी, लक्ष्य लेकर आगे बढ़ती रही और अपना लक्ष्य बनाकर कड़ी मेहनत के साथ यह सफलता अर्जित की और हमें शिवाली पर गर्व ही नहीं अभिमान भी है। उसकी सफलता से पूरा परिवार आल्हादित है।

बच्चों को आगे बढ़ने प्रोत्साहित करें अभिभावक-डॉ. गजेन्द्र तिवारी



प्रसिद्ध शिक्षाविद एवं पाली स्थित छत्तीसगढ़ पब्लिक हायर सेकेण्डरी स्कूल के डायरेक्टर एवं प्राचार्य डॉ. गजेन्द्र तिवारी ने शिवाली शर्मा की सफलता पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में बच्चों का बेहतर कैरियर सिर्फ शिक्षा के माध्यम से बन सकता है और बच्चों को आगे बढ़ने के लिए हर अभिभावक को प्रेरित करना चाहिए। शिवाली शर्मा युवाओं के लिए एक प्रेरणा है, जिन्होंने लगातार कई उपलब्धियां हासिल कर यह बता दिया कि अभिभावकों की प्रेरणा, गुरूजनों का मार्गदर्शन एवं लक्ष्य हासिल करने की ललक और कड़ी मेहनत से हर लक्ष्य की प्राप्ति की जा सकती है।

मेरे पापा मेरे प्रेरणाश्रोत-शिवाली



अपनी उपलब्धि पर शिवाली शर्मा ने कहा कि पापा हमेशा कहा करते हैं कि बेटियां ज्यादा प्रतिभावान होती हैं और असंभव को भी संभव करने की ताकत रखती हैं। वे कहा करते हैं-अपना लक्ष्य तय करो और उसे जुनून बना लो, कड़ी मेहनत करो और अनुशासन के साथ सभी काम समय पर करो। पापा की हर बात को मैंने गांठ बांध ली और कड़ी मेहनत के साथ अपना लक्ष्य पाने का प्रयास किया। उन्होंने अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन और भाई के प्रोत्साहन के साथ एक-एक कदम आगे बढ़ती गई और सफलता मिलती गई। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि प्रयास कभी न छोड़ें, मंजिल जरूर मिलेगी। शिवाली ने कहा - स्क्रिन पर समय मत गंवाओ, क्योंकि एक बार समय निकलता है, तो समय को वापस नहीं पाया जा सकता। अपने लक्ष्य पर फोकस करो।

छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ ने दीपावली मिलन समारोह एवं वनभोज का झोराघाट में उठाया आनंद:कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल सहित कई दिग्गज पहुंचे

कोरबा (दिव्य आकाश)।

प्रेमचंद पटेल ने कहा-कटघोरा में बनेगा अखबार वितरक संघ का भवन, 15 लाख रूपए देने की घोषणा

छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ की कोरबा जिला इकाई का दीपावली मिलन समारोह एवं वनभोज झोराघाट में उल्लास और उमंग के साथ सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल उपस्थित हुए, वहीं नगर पंचायत छुरीकला की अध्यक्ष श्रीमती पद्मिनी देवांगन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मंच पर विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा नेता संजय शर्मा, प्रीतम देवांगन, समजीत सिंह, अजय धनोदिया, श्री दुलानी, अकाश शर्मा, संघ के प्रदेश अध्यक्ष पदमसिंह चंदेल विराजमान थे। माँ श्री सर्वमंगला देवी मंदिर के प्रबंधक एवं राजपुरोहित नमन पाण्डेय का विशेष स्नेह और आशीर्वाद संघ को मिला।

इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि मन्नु राठौर सहित अन्य विधायक प्रतिनिधि, संस्कार टीम की अध्यक्ष श्रीमती अकांक्षा चंदेल, सीए प्रमेश चंदेल, शंकर रजक, पूर्व पार्षद हीरालाल यादव, लक्ष्मण सिंह राजपूत, पत्रकार शशिकांत डिक्सेना, कई नेता, समाजसेवी, पत्रकारगण सहित छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ की जिला इकाई के संरक्षक रेशमलाल साहू, जिला अध्यक्ष विपेन्द्र साहू, जिला सचिव जय सिंह नेताम, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी राठौर, कटघोरा इकाई अध्यक्ष कन्हैया (बबलू) यादव, भिलाई बाजार इकाई अध्यक्ष महेंद्र राठौर, उपाध्यक्ष के डी साहू, बिलासपुर अध्यक्ष सियाराम एवं उनकी टीम, जमनीपाली सचिव रविंदर, सह सचिव राय सिंह, जिला मीडिया प्रभारी रामायण सिंह, लक्ष्मण सिंह राजपूत, अरविंद साहू, विशेषर प्रसाद साहू, रोशन दास, विनय डिक्सेना, राजकुमार पटेल, दुर्गा, मनोज, जाहित,बॉबी, विकास प्रिंस,विकास, अनिल गिरी, कृष्ण निर्मलकर, दिलीप यादव, रंजीत पटेल, विक्रम, रंजीत, दिलहरण, राकेश साहू, ,चरण दास महंत, आदित्य ,युवराज पटेल, भूपेंद्र, करण , प्रवीण, रामचरण,विजय सहिस, शत्रुहन चौहान, हर्ष मानिकपुरी, धरम दास ,गुलशन साहू, बृजमोहन दास, सदबीर निर्मलकर, बांकी मोंगरा, ढेलवाडीह इकाई के सदस्यगण, पाली से शंकर दीवान, दिनेश श्रीवास, मातृशक्ति अखबार वितरक संघ से रतन राठौर, दीक्षा राठौर, पुष्पा साहू, रवीना साहू, उपासना साहू, रेखा साहू, ज्योत्सना साहू, धानी साहू, याचना साहू सहित सैकड़ों की संख्या में संघ के सदस्य शामिल हुए।



पत्रकार जगत का मिला सहयोग, जिला अध्यक्ष ने जताया आभार

अखबार वितरक संघ के दीपावली मिलन समारोह एवं वनभोज को सफल बनाने में प्रेस क्लब कोरबा के अध्यक्ष, पूर्व अध्यक्षों सहित वरिष्ठ पत्रकारों का सहयोग रहा। जिला अध्यक्ष विपेन्द्र साहू ने सभी सहयोगकर्ताओं एवं उत्साहवर्धन करने वाले पत्रकारों का आभार जताया और धन्यवाद दिया। वनभोज एवं दीपावली मिलन समारोह में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सुषमा रवि रजक ने 11 हजार रूपए का विशेष सहयोग दिया। इसके अलावा समाजसेवियों ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान किया।

कटघोरा में 15 लाख की लागत से बनेगा संघ का भवन

मुख्य अतिथि प्रेमचंद पटेल ने छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ की जिला इकाई की मांग पर कटघोरा में भवन के लिए 15 लाख रूपए देने की घोषणा की। श्री पटेल की घोषणा के बाद समारोह स्थल तालियों से गूंज उठा। उन्होंने दीपावली मिलन समारोह एवं वनभोज को सम्बोधित करते हुए कहा कि अखबार वितरण का काम किसी चुनौति से कम नहीं। बरसात हो, गर्मी हो, कड़कड़ाती ठंड हो या धूप हो या छांव, सभी परिस्थितियों में अखबार वितरक समय पर हमारे घर अखबार पहुंचाते हैं और हम चाय की चुस्की के साथ देश-दुनिया का हाल जान पाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अखबार पढ़ना चाहिए, इसमें समाचार के साथ-साथ ज्ञानवर्धक बातें भी हमें पढ़ने को मिलता है, जिससे हर वर्ग का ज्ञान बढ़ता है। अखबार विश्वसनीयता के साथ समाचारों का प्रकाशन करता है, जो तथ्यपरक होते हैं।

स्वादिष्ट व्यंजनों का उठाया लुत्फ, अतिथियों के स्वागत में आतिशबाजी



यहां उपस्थित अतिथिगणों एवं संघ के सदस्यों ने वनभोज का आनंद लिया और स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया। अतिथियों के स्वागत में संघ के पदाधिकारियों ने आतिशबाजी की, जिससे अतिथिगण काफी प्रभावित हुए। कार्यक्रम को जादूगर ने अपने जादू से रोमांचित कर दिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में पदाधिकारियों ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन करमजीत भारद्वाज ने किया और आभार प्रदर्शन प्रेस क्लब कटघोरा के अध्यक्ष अजय धनोदिया ने किया।

सूर्य उपासना, भारतीय संस्कृति का पावन पर्व छठ पूजा की हार्दिक बधाई

हर घर में,
सुख-समृद्धि का दीप जले।
जीवन में,
सफलता के नव द्वार खुले।।

सूर्यषष्ठी
15 नवम्बर
2026



हे छठी मईय्या!
आप अपने दिव्य प्रकाश से घर-घर में
समृद्धि की रोशनी दें और
सबके जीवन को खुशहाली से
भर दें।





भुवन भास्कर का करें वंदन
मन में हो श्रद्धा, स्नेह और अभिनंदन...





अरविंद शर्मा

अध्यक्ष - भूमिहार ब्राह्मण समाज
सचिव - कोरबा पूर्वांचल सर्व समाज विकास समिति
पूर्व सचिव - लायंस क्लब ऑफ कोरबा/वरिष्ठ समाज सेवी

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े द्वारा मे. डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, नर्मदा कोल्ड्रिंक के पास बिलासपुर से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com